Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 13, अंक 322 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 17 सितंबर 2024 www.samaydarshan.in

100 दिन में मजाक उड़ाए जाने पर पीएम मोदी ने अहमदाबाद में दिया जवाब

यह सरदार पटेल की भूमि से पैदा हुआ बेटा है...

कटियार (एजेंसी)। तीसरी बार प्रधानमंत्री की शपथ लेने के बाद गुजरात के पहले दौरे पर पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर करारा प्रहार किया है। अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड पर भव्य स्वागत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 100 दिनों में न जानें कैसी-कैसी बातें की गईं, मेरा मजाक उड़ाया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह सरदार पटेल की भूमि से पैदा हुआ बेटा है। पीएम मोदी ने कहा कि हर मजाक और हर मखौल, हर अपमान को सहते हुए मैंने 100 दिन में आपके कल्याण के लिए नीति बनाने और निर्णय लेने में कोई कमी नहीं की है। पीएम मोदी ने कहा कल्याण की राह पर चलने के लिए कितने भी मजाक क्यों न होते रहें लेकिन वह इस रात से नहीं भटकेंगे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की पहली वंदे मेट्रो को रवाना किया। इसे नमो भारत रैपिड रेल के नाम

से जाना जाएगा। यह अहमदाबाद से भुज तक चलेगी।

100 दिन का एजेंडा पूरा किया

पीएम मोदी जीएमडीसी ग्राउंड पर भव्य स्वागत के बाद कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान मैंने देशवासियों को गारंटी दी थी कि मेरे तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में अभूतपूर्व फैसले लिए जाएंगे। पिछले 100 दिनों में मैंने 100 दिन के एजेंडे को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। मैंने देश-विदेश में कोई कसर नहीं छोड़ी। आप लोगों ने मुझे राष्ट्र को सर्वोपरि रखने का संकल्प दिलाकर दिल्ली भेजा है। मैंने पिछले 100 दिनों में दिन और रात नहीं देखी। 100 दिन के एजेंडे को पूरा करने के लिए पूरी ताकत लगा दी। चाहे देश हो या विदेश, जो भी प्रयास करने थे, किए गए, कोई कसर नहीं छोड़ी गई। इन 100 दिनों में 15 लाख करोड़ रुपये की परियोजनाओं पर काम शुरू हुआ है। मैंने चुनाव के दौरान 3 करोड़ नए घर बनाने का वादा किया था और हम इस पर तेजी से काम कर रहे हैं। चाहे गांव हो या शहर, हमारा ध्यान लोगों के जीवन को बेहतर बनाने पर है।

मुझे मिलती है नई ऊर्जा

पीएम मोदी ने कहा कि मैं तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद पहली बार यहां आया हूं। आप सभी ने मुझे अपार प्यार और समर्थन दिया है। यह मेरी जन्मभूमि है और मैं आभारी हूं कि आप मुझे आशीर्वाद देने यहां आए हैं। 60 साल बाद देश ने फैसला लिया और इतिहास रच दिया।

वे तीसरी बार देश की सेवा करने के लिए उसी सरकार को चुनते हैं। यह देश के लोकतंत्र की एक बड़ी घटना है। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने भारी बारिश के कारण हाल ही में आई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए कहा, 'हमने हाल ही में भारी बारिश देखी, जिसके परिणामस्वरूप जान-माल का नुकसान हुआ। राज्य और केंद्र सरकारें प्रभावित लोगों के दर्द को कम करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। जो लोग अस्पताल में हैं। मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। तीसरी बार जीतने के बाद यह मेरा गुजरात का पहला दौरा है। गुजरात मेरी जन्मभूमि है और इसने मुझे जीवन के सबक सिखाए हैं। जब कोई बेटा अपनी जड़ों की ओर लौटता है और अपने लोगों से आशीर्वाद प्राप्त करता है, तो उसे नई ऊर्जा मिलती है।

देश में 2030 तक 500 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन के लक्ष्य को पूरा करने में छत्तीसगढ़ का भी होगा महत्वपूर्ण योगदान : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय चौथे 'ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स मीट एंड एक्सपो' (री-इन्वेस्ट) में शामिल हुए

रायपुर (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के गांधीनगर में चौथे ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर्स समिट एंड एक्सपो (री-इंवेस्ट-24) का शुभारंभ किया। इसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ में क्लीन और ग्रीन एनर्जी (ब्समंद ंदक हतममद मदमतहल) के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को मंच से साझा किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को पूरा करने में छत्तीसगढ़ राज्य का भी महत्वपूर्ण योगदान होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सोलर एनर्जी, हायडल एनर्जी, बायोगैस से बिजली के उत्पादन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रदेश में बिजली की खपत 5500 मेगावाट है। प्रदेश में करीब 15 प्रतिशत बिजली का उत्पादन रिन्यूएबल एनर्जी के स्त्रोतों से किया जा रहा है। इसे आने वाले समय में 45 प्रतिशत तक बढ़ाने का हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा दिया जा रहा है। इससे जहां अक्षय ऊर्जा से जुड़े उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, वहीं जलवायु परिवर्तन की बड़ी चुनौती से निपटने में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में अक्षय ऊर्जा के उत्पादन की असीम संभावनाएं हैं। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण क्रेडा के माध्यम से छत्तीसगढ़ में सौर ऊर्जा तथा अन्य गैर परंपरागत ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा दिया जा रहा है।

ममता बनर्जी ने फिर बुलाई जूनियर डॉक्टरों की मीटिंग, कहा- बातचीत का ये आखिरी मौका

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर से डॉक्टरों की बैठक बुलाई है, जो आज शाम पांच बजे सीएम आवास पर होगी। ममता ने इस बैठक को प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से बातचीत का आखिरी मौका करार दिया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि बैठक की लाइव स्ट्रीमिंग नहीं की जाएगी, हालांकि उसकी वीडियो रिकॉर्डिंग की जा सकेगी। इस स्थिति में यह देखना होगा कि प्रदर्शनकारी डॉक्टर इस बैठक में शामिल होते हैं या नहीं।

'केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, धर्म की रक्षा के लिए सुदर्शन भी जरूरी'- योगी

अगरतला (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को त्रिपुरा में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, बल्कि सुरक्षा के लिए सुदर्शन भी जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर आप धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म भी आपकी रक्षा करेगा।

उन्होंने कहा, त्रिपुरा में डबल इंजन की सरकार है, जो डबल स्पीड से सर्वांगीण विकास के लिए काम कर रही है। हम सबके सामने धार्मिक क्षेत्र में हो रही प्रगति उल्लेखनीय हैं। योगी आदित्यनाथ ने बांग्लादेश का नाम लिए बगैर कहा, बगल में आपके हजारों किलोमीटर की सीमा के पार जो हमारे बंधुगण रह रहे हैं, उनकी क्या स्थिति है, ये आपसे छिपी हुई नहीं है।

उन्होंने आगे कहा, हम सबको इस बात को ध्यान में रखना होगा कि अगर आप धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म आपकी रक्षा करेगा। लेकिन अगर आप अपने स्वार्थ के लिए धर्म का बलिदान करेंगे, तो वह धर्म भी आपके साथ उसी प्रकार का व्यवहार करेगा। हमारी सनातन मान्यता रही है- 'यतो धर्मस्ततो जय:', यही हम सबकी शिक्षा है। हम सब 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के रूप में देश को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प और सामर्थ्य हम सबको एक नई यात्रा पर आगे बढ़ा रहा है।

आदित्यनाथ ने आगे कहा, हम यह भी जानते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण की स्मृति जब हम सबके सामने आती है, तो उनके एक हाथ में मुरली है, तो दूसरे हाथ में सुदर्शन है। केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, बल्कि रक्षा के लिए सुदर्शन भी आवश्यक है। सुदर्शन जब आपके पास होगा तो फिर किसी को बलिदान नहीं देना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 1947 के पहले कौन लोग थे, जो भारत के दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन के लिए जिम्मेदार थे। उन लोगों के बारे में सही जानकारी देने की आवश्यकता है। याद रखना, 1905 में अंग्रेजों की जो बंग-भंग की साजिश थी, उस समय के समाज ने उसे विफल किया था, ऐसे ही मुस्लिम लीग की साजिशों को विफल करने के लिए उस समय का कांग्रेस नेतृत्व और जोगेंद्र नाथ मंडल ने मिलकर पानी फेरने का काम करते तो कभी भी पाकिस्तान जैसा नासूर नहीं बनता है। पाकिस्तान एक नासूर है। जब तक इसका ऑपरेशन नहीं होगा। तब तक इस कैंसर की समस्या का समाधान नहीं होने वाला है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) इस बात को जानता था कि अगर हम कांग्रेस के साथ संधि कर देंगे तो वे देश को विभाजित कर देंगे, हिंदुओं का नरसंहार करेंगे।

जम्मू-कश्मीर में दो प्रधान, दो निशान, दो झंडे अब कभी नहीं हो सकते : अमित शाह

पद्देर नागसेनी (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक उठा पटक जारी है। पार्टियां राज्य में होने वाले चुनावों में जीत के लिए विपक्षी पार्टियों पर हमलावर हैं।

इसी क्रम में जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के पद्देर नागसेनी शहर में गृहमंत्री अमित शाह ने एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर करारा निशाना साधा। उन्होंने कहा, अब जम्मू-कश्मीर में दो प्रधान, दो निशान, दो झंडे कभी नहीं हो सकते। झंडा एक ही हमारा प्यारा तिरंगा होगा। इसके बाद उन्होंने पहाड़ी आरक्षण पर कहा, वह कह रहे है कि अगर हमारी सरकार आई तो हम आरक्षण पर पुनर्विचार करेगें। आप उनके झांसे में मत आइए, उनकी सरकार आई तो वह आरक्षण पर पुनर्विचार नहीं, बल्कि उसे हटा देंगे। जब पहाड़ियों को आरक्षण देने की बात आई तो उन्होंने गुर्जरों को उकसाने का काम किया कि पहाड़ियों को आरक्षण मिलेगा, तो गुर्जरों का आरक्षण जाएगा।

यूपी के 190 गांवों में बाढ़, लखीमपुर में 1 लाख लोग फंसे

एमपी के 38 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में 5 दिन से हो रही भारी बारिश के कारण सरयू, शारदा, गंगा और घाघरा नदी उफान पर हैं। वाराणसी में बाढ़ से 25 हजार लोग प्रभावित हैं। 85 घाट गंगा में डूब गए हैं।

लखीमपुर-खीरी जिले में शारदा नदी के खतरे के निशान से ऊपर बहने के कारण 170 गांव में 1 लाख लोग फंसे हैं। गोंडा में घाघरा नदी में 3 लोगों के डूबने से उनकी मौत हो गई। यहां 20 गांवों में बाढ़ है।

लखीमपुर के ही बसहा गांव में हालात इतने खराब हैं कि यहां नाव पर चारपाई रख कर बुजुर्ग की अंतिम यात्रा निकाली गई। इसके बाद 3 किलोमीटर दूर ले जाकर शव का अंतिम संस्कार किया

गया। वहीं, मध्य प्रदेश में भी बीते 3 दिन में हुई बारिश के कारण कई जिलों में हालत खराब है। चंबल संभाग की सबसे छोटी सोन भद्रिका मृगा नदी 34 साल बाद उफान पर है। भिंड जिले के रावतपुरा गांव में नदी का जलस्तरल 50 फीट से ज्यादा रहा।

इधर, हिमाचल प्रदेश में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 171 लोगों की मौत हो चुकी है। 30 लोग अभी भी लापता हैं। मध्य प्रदेश में भोपाल, जबलपुर समेत 38 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है।

वाराणसी में सीजन में पहली बार गंगा वॉर्निंग लेवल से ऊपर पहुंच गई है। 85 घाट डूब गए हैं। प्रयागराज में गंगा और यमुना नदियां उफान पर हैं। पानी भर जाने के कारण लोग घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर पहुंच रहे हैं। आम तौर पर मानसून की 18 सितंबर के बाद से पश्चिमी राजस्थान के रास्ते वापसी शुरू हो जाती है, लेकिन इस बार इसके करीब 16 दिन और एक्टिव रहने के आसार बन रहे हैं।

यानी देश में सितंबर के आखिर तक तेज बारिश का दौर देखने को मिलेगा। प्राइवेट वेदर एजेंसी स्काईमेट के अनुसार, मानसून वापसी के बाद अक्टूबर में भी बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक, इस बार मानसून में अब तक 108 फीसदी यानी 8त्र ज्यादा बारिश हो चुकी है। इसके बावजूद देश के करीब एक चौथाई यानी 185 जिलों (26त्र) में सूखे की स्थिति है। 68 जिले ऐसे हैं, जिनमें सामान्य से 60त्र बारिश हुई हैं, इनमें 19 अकेले राजस्थान में हैं।

17 सितंबर को 7 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने 17 सितंबर को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, केरल में भारी बारिश का अलर्ट दिया है। पूर्वी मध्य प्रदेश में बहुत भारी बारिश (12 छ्व) और उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तराखंड में भारी बारिश होने की संभावना है। राजस्थान के 15 जिलों में मंगलवार से भारी बारिश का अनुमान जताया गया है। हिमाचल प्रदेश के 6 जिलों में बुधवार (18 सितंबर) को भारी बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट है। यहां 21 सितंबर तक बारिश जारी रहेगी।

सीएम केजरीवाल के इस्तीफे के ऐलान के बाद हुई आप पीएसी की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आबकारी नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के दौरान अपने इस्तीफे का ऐलान कर दिया। उनके ऐलान के बाद राष्ट्रीय राजधानी की सियासी फिजा में हलचल तेज हो गई। मुख्यमंत्री कल (17 सितंबर) अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इस बीच, आज मुख्यमंत्री के आवास पर पीएसी (पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी) की बैठक हुई।

बैठक में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय शर्मा, दुर्गेश पाठक, आतिशी, गोपाल राय, इमरान हुसैन, राघव चड्ढा, राखी बिड़लान, पंकज गुप्ता, एनडी गुप्ता शामिल हुए। इस बीच आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी की नाराजगी का आलम यह है कि ये लोग अब एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के पीछे पड़ चुके हैं। इसके लिए बीजेपी ने पूरी ताकत लगा दी है। केजरीवाल जब जेल से बाहर निकले, तो उन्होंने सत्ता का सुख भोगना जरूरी नहीं समझा। उन्होंने लोगों के हितों को ज्यादा सर्वोपरि समझा।

पुलिस के पास पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता

तहसीलदार ने मंत्री के ऊपर लगाया पैसा लेनदेन कर तबादले का आरोप

तबादला पर बवाल

लकेश्वर बघेल/ समय दर्शन

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ में हुए 169 अफसरों के तबादला राजनीति का केंद्र बन गया है, बीते गुरुवार को प्रदेश भर के नायब तहसीलदार समेत 55 तहसीलदारों तबादला हुआ था । जिसको लेकर कनिष्ठ कर्मचारी सेवा संघ ने विरोध जताया,संघ के प्रदेशाध्यक्ष सिमगा तहसीलदार नीलमणि दुबे ने बताया कि-- बीते दो सालों में मेरा छः बार तबादला हुआ है, वही पिछले 4 महीना में चार बार तबादला हुआ है, जो तबादले नीति का घोर उल्लंघन है । यह ट्रांसफर राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा के बंगले से हो रहा है हम इसके खिलाफ हाई कोर्ट जाएंगे, वहीं अन्य तहसीलदार का कहना है कि वह पिछले 5 वर्षों से बस्तर संभाग के

अनुसूची क्षेत्र में सेवा दे रहे हैं, उनका नाम सूची में था, लेकिन गुरुवार को जारी आदेश में उनका नाम ही नहीं है।

कनिष्ठ कर्मचारी सेवा संघ ने तबादले को लेकर टंक राम वर्मा से जवाब मांगा है -

मंत्री महोदय ट्रांसफर को लेकर कोई क्राइटेरिया बता दे, दो साल के वालों का भी ट्रांसफर किया गया है और तीन साल के उपर का भी ट्रांसफर हुआ है, ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर कोई नियम होगा मंत्री जी उसे बताएं ? नियम कानून बनाने से नहीं पालन

करने से सुशासन व्यवस्था स्थापित होता है और ऐसे में सरकार ही नियम कानून को नहीं मानेंगे यह तो बड़ी विडंबना की बात है। इससे पूर्व में भी छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 150 अफसरों का तबादला आदेश जारी किया था, जिस पर हाईकोर्ट में अफसरों अपील को स्वीकार करते हुए तबादले को निरस्त कर दिया था अब संघ पुन: हाई कोर्ट से अपील करने की बात कह रही है।

वही इस मामले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि मंत्री टंकराम वर्मा के बंगले पर पैसा दो- ट्रांसफ़र लो उद्योग संचालित है. यह आरोप हमारे नहीं, स्वयं अधिकारियों के हैं. खबर में स्वयं तहसीलदार का बयान और सनसनीखेज आरोप पढ़िए.

छत्तीसगढ़ शासन के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को जवाब देना चाहिए।

मामले में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने बताया कि तबादला में लेनदेन के आरोप बेबुनियाद हैं। अधिकारी को अगर कोई दिक्कत है तो उन्हें सही उचित माध्यम से बात करना चाहिए। जो भी तबादला किया गया है वह नियमों के अनुकूल है।

अब देखने वाली बात यह होगी कि सरकार राजनीति के केंद्र बने तबादले में संशोधन करते है, या हाई कोर्ट तबादला आदेश को फिर से खारिज करता है।

पुलिस के पास पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता

पूर्व विधायक एवं भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. सनम जांगड़े के नेतृत्व में थाना सिटी कोतवाली पहुंचकर भाजपाइयों ने मंत्री टंकराम वर्मा के खिलाफदुर्भावनावश तथ्यहीन बयान देने पर तहसीलदार नीलमणी दुबे के खिलाफएफआईआर दर्ज करने थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। भाजपा नेताओं ने तहसीलदार नीलमणि दुबे के बयान की निंदा की, जिसमें राजस्व मंत्री पर पैसे लेकर ट्रांसफर और पोस्टिंग करने का झूठा और निराधार आरोप लगाया था। भाजपा नेताओं ने कहा कि नीलमणी दुबे का बयान मानसिक दिवालियापन को दर्शाता है। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया गया है। हम इसकी निंदा करते हैं और मांग करते हैं कि नीलमणि दुबे के खिलाफतत्काल कार्रवाई की जाए।

संक्षिप्त समाचार

मिनाक्षी नगर स्थितश्रीराम विहार कालोनी में नवनिर्मित मंदिर में हनुमान जी की हुई प्राण प्रतिष्ठा

दुर्ग (समय दर्शन)। श्रीराम कालोनी,मिनाक्षी नगर वार्ड 53 केडी पब्लिक स्कूल के निकट श्रीराम विहार कालोनी में नवनिर्मित हनुमान मंदिर में हनुमान जी की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा हो गई।विनोद अरोरा के सहयोग से नव निर्मित हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हनुमानजी की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही श्रीराम कालोनी वासियों व श्रद्धालुओं की भीड़ पूजा करने के लिए लग गई। ज्ञात हो कि विजय मालापुरे व मूलचंद वर्मा सहयोग एवं कालोनी वासियों के उपस्थिति में भव्य हनुमान मंदिर का नव निर्मित मंदिर हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत पंडितों द्वारा हनुमान जी की नवीन प्रतिमा का मंत्रोच्चार व पंचामृत से अभिषेक कर विधि-विधान से हनुमान जी की प्रतिमा की स्थापना किया और इसके बाद हवन किया गया, जिसमें कालोनीवासियों ने पूर्णाहूति डाली। पूजा अर्चना के बाद में नवनिर्मित हनुमान मंदिर में सैकड़ों भक्तों को खिचड़ी व हलवा प्रसाद का वितरण भक्तों में किया गया।इस अवसर पर विनोद अरोरा, रत्न यादव,विजय मालापुरे,राजू बक्शी,मूलचंद वर्मा,संतोष खिरोडकर,तेजराम देशमुख,शुभम रामटेके,अनिल सोनवानी,श्रीमती मंजूलता सोनवानी,शालिनी सोनवानी,महेश मालापुरे चिंटू मालापुरे जितेंद्र बरेकर रोहित टाडेकर कमलेश मालापुरे लक्की बिजेवर सहित कालोनी वासी मौजूद रहें।

शक्तिधाम में नवरात्रि को लेकर बैठक संपन्न

राजनांदगांव। शहर के वार्ड नम्बर 1 बाबुटोला में विराजमान शक्तिधाम मां महाकाली मंदिर में आगामी क्वांर नवरात्रि को लेकर मंदिर के संरक्षक हरीश यादव के मार्गदर्शन व अध्यक्ष अखिलेश बंजारा, सचिव पिन्टू देवांगन एवं अन्य सदस्यों की उपस्थिति में आज बैठक रखी गयी। नवरात्र महोत्सव भक्तिमय वातावरण में हर्षोल्लास से मनाने रूपरेखा तैयार कर सदस्यों को दायित्व सौंपे गये।

ज्ञात हो कि आगामी 3 अक्टूबर से क्वांर नवरात्रि का महापर्व शुरू हो रहा है। शहर सहित जिलेभर के सभी मंदिरों माता देवालयों में पर्व की तैयारी को लेकर मंदिर समितियों की बैठक का दौर भी शुरू हो गया है। वहीं शहर के प्रसिद्ध शक्तिधाम मां महाकाली मंदिर में भी आज मंदिर के संरक्षक हरीश यादव के मार्गदर्शन में बैठक आहूत की गई। सचिव पिन्टू देवांगन ने बताया कि नवरात्र महोत्सव को लेकर तैयारी की जा रही है। नवरात्र महोत्सव हर्षोल्लास से मनाने रूपरेखा बनाई गई है। प्रथम दिवस 3 अक्टूबर, गुरुवार को घट स्थापना के साथ ही मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किया जाएगा। 7 अक्टूबर सोमवार पंचमी पर मां महाकाली का विशेष श्रृंगार होगा। साथ ही भजन संध्या का भी आयोजन किया जाना है। 10 अक्टूबर गुरुवार कोअष्टमी पूर्णाहुति हवन एवं 11 अक्टूबर शुक्रवार को ज्योतिकलश विसर्जन किया जाएगा। नवरात्र महोत्सव सुचारू रूप से करने मंदिर समिति के सदस्यों को जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। बैठक में संरक्षक दुर्गा यादव, अध्यक्ष अखिलेश बंजारा, शंभु वर्मा, भोज राम वर्मा, भगवती निषाद, कौशल दास मानिकपुरी, चंद्रेश साहू, राजिव सिंह, किशन चौरसिया, पीतांबर देवांगन, प्रांशु भरतद्वाज, श्यामू साहू, विकास राजपूत, अनिल चौहान, लव यादव, भूपेंद्र रामटेके सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी प्रशांत वर्मा ने दी।

बैनर-पोस्टर फाड़ने वाला गिरफ्तार

राजनांदगांव। दिनांक 14.09.2024 को प्रार्थी राजेश कुमार डागा थाना आकर लिखित आवेदन पेश कर रिपोर्ट दर्ज कराया कि मानव मंदिर चौक फ्लैक्स और प्रतीक चिन्ह लगाया गया है। जिसे शाम करीब 07:30 बजे एक व्यक्ति द्वारा चीर फाड़ कर नुकसान कर धार्मिक भावना को आहत किया गया है आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 582/2024 धारा 298 भारतीय न्याय संहिता पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना स्थल पहुंच कर सी0सी0टी0व्ही0 कैमरा के फुटेज को चेक किया गया जिसमें एक व्यक्ति फ्लैक्स और महाकाल के प्रतीक चिन्ह को चीर फाड़ करते दिखाई देने पर उक्त व्यक्ति का तत्काल पता तलाश कर हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर अपना नाम व पता प्रशांत लाउत्रे पिता राम प्रसाद लाउत्रे उम्र 26 वर्ष निवासी डोंगरगढ़ थाना कोतवाली जिला राजनांदगांव (छ0ग0) बताया।

पत्रकारिता संकल्प को लेकर एक हुए प्रदेश के पत्रकार

पत्रकारों के हित संवर्धन व सुरक्षा कानून विधेयक सहित विभिन्न मुद्दों पर की गई गहन चर्चा

रायपुर (समय दर्शन)। पत्रकारिता संकल्प को लेकर छत्तीसगढ़ के तमाम पत्रकार संगठनों ने एक मंच पर आकर विगत दिनों राजभवन गेट 1 के सामने सालेम हास्टल कान्फ्रेंस हाल में बैठक आयोजित किया गया।

बता दें कि पूरे प्रदेश के अंदर पत्रकार साथियों के खिलाफ हो रहे फर्जी एफआईआर, प्रताड़ना के शिकार पर उपस्थित पत्रकारों ने गहरी चिंता जताई है। आज की वर्तमान परिस्थिति में सभी पत्रकारों को एक जुट होने की आवश्यकता है। पत्रकार सुरक्षा कानून विधेयक पारित कराने से लेकर,पत्रकार कल्याण कोष, स्वास्थ्य सुविधाएं, अधिमान्यता में सरलीकरण के अलावा हित संवर्धन व सुरक्षा एवं विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। उपस्थित संगठनों के पदाधिकारियों ने क्रमानुसार अपने विचारों को साझा किया। सभी पत्रकारों ने एकजुटता का परिचय देते हुए आगामी 02 अक्टूबर को होने वाले कार्यक्रम के लिए अपना समर्थन दिया।

बैठक में मुख्य रूप से पत्रकार सुरक्षा संयुक्त मोर्चा के संयोजक वरिष्ठ पत्रकार कमल शुक्ला, सुधीर तम्बोली आजाद,व्यास पाठक कार्यकारी अध्यक्ष , शिवशंकर सोन पिपरे छ ग जर्नलिस्ट यूनियन,पी सी रथ प्रदेश अध्यक्ष इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन, अमित गौतम प्रदेश अध्यक्ष छग जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन,महेश आचार्य उपाध्यक्ष छ ग जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन, पी के तिवारी प्रदेश सचिव छग जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन,राज गोस्वामी प्रदेश अध्यक्ष सक्रिय पत्रकार संघ , मनोज सिंह बघेल कार्यकारी अध्यक्ष,मनीष कुमार शर्मा सचिव, राहुल गोस्वामी सक्रिय पत्रकार संघ, सेवक दास दीवान प्रदेश अध्यक्ष , प्रवीण खरे प्रदेश महासचिव, दिनेश नामदेव प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पत्रकार कल्याण महासंघ छत्तीसगढ़, सुनील यादव प्रदेश अध्यक्ष पत्रकार महासंघ छत्तीसगढ़, मनोज पाण्डेय प्रदेश अध्यक्ष, राजेन्द्र गुप्ता प्रदेश उपाध्यक्ष प्रेस एंड मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन, मो शमीम प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़िया पत्रकार संघ, ललित यादव प्रदेश अध्यक्ष द जर्नलिस्ट एसोसिएशन, दिनेश कुमार, रमेश कुमार अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति मो नजीर, अजित शर्मा,पवन सिंह ठाकुर, अजित कुमार सिंह,रवि सेन वरिष्ठ पत्रकार आदि उपस्थित रहे। पत्रकारों को बैठक के माध्यम से एक जुट करने में पत्रकार साथी सुधीर तम्बोली की मुख्य भूमिका रही।

गणेशोत्सव के अवसर पर मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

सरायपाली (समय दर्शन)। समीपस्थ ग्राम बड़ेपंधी में गणेशोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत भजन संध्या बैठकी कीर्तन का आयोजन किया गया। जिसमें आमंत्रित कलाकारों ने सुमधुर भजन की मनमोहक प्रस्तुति दी। गांव की अधिष्ठात्री देवी मां पूर्णमासी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। बड़ेपंधी कीर्तन पार्टी के कलाकारों ने गीत के माध्यम से मातृ वंदना, गुरु वंदना, स्वागत गान सहित पुष्पहार व तिलक लगाकर समस्त कलाकारों का स्वागत किया। तत्पश्चात क्रमशः शत्रुघ्न प्रधान, संजय प्रधान बड़ेपंधी, गुरु सुधीर भोई जालपाली, शिव प्रसाद भुए चोरगिंडोला, बलिष्ठ सांड धानबसा, सरिता बेहरा, निकिता बेहरा बूड़ामाल, दिनेश सा पीपलीपाली, दीप्तिमयी साहू रेमता, नवीन भुए भालूपतरा, राकेश भूए भूलियाडीह ने अपनी प्रस्तुति में गणेश वंदना,मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, योगिराज श्रीकृष्ण, राधा-कृष्ण संयोग वियोग श्रृंगार , जगन्नाथ व कालिया, निमाई सन्यास के सुमधुर गीतों सहित अपनी वादन व नृत्य कला से उपस्थित जनसमुदाय में भक्ति रस का संचार किया। उपरोक्त कार्यक्रम को सफ्ल बनाने में समस्त ग्रामवासियों का महत्व पूर्ण योगदान रहा।कार्यक्रम का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में कीर्तन प्रेमी श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित थे।

वंदे भारत के शुभारंभ में पहुँचे विधायक गजेंद्र यादव - राज्यपाल, सांसद के साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किये

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग - विशाखापटणम वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम शुभारंभ से किये। इस अवसर पर रायपुर रेलवे स्टेशन में आयोजित कार्यक्रम में दुर्ग विधायक गजेंद्र यादव उपस्थित हुए और छत्तीसगढ़ को वंदे भारत की सौगात मिलने पर प्रदेशवासियों की ओर से मोदी सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किये।

रायपुर रेलवे स्टेशन में दुर्ग - विशाखापटणम के बीच 565 किलोमीटर चलने वाली ट्रेन को राज्यपाल महामहिम रमेन डेका, केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू, सांसद विजय बघेल, राजेश मुनत, विधायक गजेंद्र यादव, पूरेन्दर मिश्रा, खुशवंत सिंह, डोमनलाल कोर्सवाड़ा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

विधायक गजेंद्र यादव ने कहा की शैक्षणिक संस्थानों के लिए प्रसिद्ध दुर्ग और विशाखापट्टनम शहरों के बीच यात्रा करने वाले छात्रों को त्वरित कनेक्टिविटी से लाभ होगा। रेलवे माध्यम का यह मार्ग छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश दोनों में तीर्थयात्रियों का स्वागत करते आध्यात्मिक केंद्रों तक पहुंच को पहले से और ज्यादा आसान बनाएगा। दुर्ग और रायपुर औद्योगिक शहर हैं, जबकि विशाखापट्टनम महत्वपूर्ण औद्योगिक गतिविधि वाला एक प्रमुख बंदरगाह शहर है। एक त्वरित ट्रेन से इन केंद्रों के बीच पेशेवरों और सामानों की आसान आवाजाही की सुविधा प्रदान करेगी, जिससे संभावित रूप से आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

मचहा के ग्रामीण अपनी मूलभूत समस्या को लेकर पहुंचे, विधायक धरमलाल कौशिक के के पास

बिलासपुर (समय दर्शन)। मुंगेली जिला अंतर्गत पथरिया विकास खंड के ग्राम मचहा के ग्रामीणों एवं महिलाओं ने ग्राम वर्षों से लंबित पानी बिजली सड़क सहित मूलभूत समस्या की मांग को लेकर सोमवार को क्षेत्रीय विधायक धरमलाल कौशिक से मुलाकात की। ग्राम पंचायत लमती के आश्रित ग्राम मचहा में वर्षों से मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे ग्रामीणों एवं महिलाओं ने विधायक कौशिक के समक्ष अपना आक्रोश ब्यक्त करते हुए ग्राम में मूलभूत सुविधाओं को तत्काल पूर्ण कराने की मांग की।

ग्रामीणों की प्रमुख मांगों में ग्राम मचहा पहुँच मार्ग हेतु सड़क निर्माण, सीसी रोड निर्माण, तालाब में पचरी निर्माण, पानी निकासी हेतु नाली निर्माण, स्कूल में बच्चों के लिए पेयजल की व्यवस्था, बिजली का नया तार लगवाए जाने हेतु, महिला समूह के लिए भवन निर्माण,

शहीद ग्राम होने के कारण पृथक ग्राम पंचायत का दर्जा दिलाने, शहीद क्षत्रधारी जांगडे के नाम पर शा.उ.मा.वि. सिलदहा का नामकरण किये जाने, ग्राम में शहीद क्षत्रधारी जांगडे के नाम पर प्रवेश द्वार बनवाने, शहीद क्षत्रधारी जांगड़े की आदमकद प्रतिमा स्थापित किये जाने की मांग की है। विधायक निवास में बड़ी संख्या में पहुचें ग्रामीणों एवं महिलाओं ने विधायक धरमलाल कौशिक से चर्चा के दौरान स्पष्ट रूप से कहा कि यदि वर्षों से लंबित ग्राम की इन प्रमुख मांगों को सरकार द्वारा पूरा नहीं किये जाने पर उग्र होकर चक्का जाम करने पर विवश होना पड़ेगा, जिसके लिए पूर्ण रूप से शासन एवं प्रशासन जवाबदार रहेगा। ग्रामीणों की मांगों को सुनकर क्षेत्रीय विधायक धरमलाल कौशिक ने सभी मांगों को शीघ्र पूर्ण कराये जाने का आश्वासन दिए विधायक से मुलाक़ात करने वालो में प्रमुख रूप से- ग्राम मचहा के ङ्क अजय बंजारे, देव प्रसाद, गोवर्धन बघेल, कमलेश जांगड़े, मिठू बघेल, सद्गुरु स्व सहायता समूह मचहा, ललिता, वंदना बंजारे, लीला, सूरज, रेवती, यशोदा, चंद्रमणि, सुनीता, कुमारी, सुषमा कुर्रे आदि।

गुरु कृपा स्व सहायता समूह मचहा चंपा, सुनीता जांगड़े, सती, रीना, मानबाई, मतीबाई, रानी, भगवती, सरस्वती, मीना कुर्रे, फुलवा मिनीमाता ही स्वास्थ्य सहायता समूह आरती, सुरेखा बांधे, चंद्रमणि, प्रमिला, ललिता, शैल कुमारी, उषा बाई, रुक्मणी, समरीत, उत्तरा प्रगति स्व सहायता समूह जानकी, अनीता, कांति, उत्तरी, पुष्पा, संम्मत, सुमित्रा, राजो, आंचल, अमला जटवार सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहें।

आंगनबाड़ी केंद्र जामजुड़ा में वजन त्योहार का आयोजन

साँकरा (समय दर्शन)। राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र जामजुड़ा सेक्टर भगत देवरी परियोजना केंद्र में राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत 16 सितंबर को वजन त्यौहार का आयोजन किया गया ।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास सुपरवाइजर नंदनी यदु एवं हरिप्रिया पटेल ने ग्राम वासियों को जानकारी दी कि, आंगनवाड़ी केंद्र में पालकगण अपने बच्चों का नियमित वजन आवश्यक रूप से करायें, और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से जानकारी लेवें कि, बच्चों के वजन स्तर क्या है,,क्योंकि बच्चों का स्तर अगर पीला या लाल रंग को दर्शित करता है तो वह कुपोषित रहता है और बच्चा एक बार कुपोषित हो जाए तो वापस रिकवर करने में बहुत समय लगता है,

ऐसा होने पर देखभाल की जरूरत होती है। कुपोषण को खत्म करने के लिए ही यह राष्ट्रीय पोषण माह सितंबर में मनाया जा रहा है। सुपरवाइजर नंदनी यदु व कार्यकर्ताओं ने आगे ग्रामवासियों को यह भी जानकारी दी कि, आंगनवाड़ी केन्द्र मे हर माह वजन लिया जाता है । एवं बच्चों के वजन का स्तर बताया जाता है। इसके साथ-साथ किशोरी बालिकाओं को रेडी टू ईट का वितरण नियमित रूप से नियमानुसार किया जाता है ।

इसके साथ ही एनीमिक महिलाओं का हीमोग्लोबिन टेस्ट भी किया जाता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सेक्टर पर्यवेक्षक नंदिनी यदु , हरिप्रिया पटेल, श्रीमती देवती साहू ,सरपंच अहिल्याबाई पंच निराकार सिदार, सकराम सिदार ,हेमराज राणा, संजू लता सागर, सुभाषिनी प्रभा, राधा नर्मदा ,रीता ,कुंतला, माधवी ,सुभाषिनी यादव रजनी ,बिंदु अहिल्या ,नलिनी ,लिली, सावित्री ,सुभद्रा भार्गव ,रुक्मणी ,मनीषा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता राधा साहू, लक्ष्मी साहू ,नर्मदा साहू, कौशल्या सिदार, संजू लता सागर, सुभाषिनी भोई, चंपा डड़सेना, बेलमोती प्रभा तांडी एवं गर्भवती महिलाओं सहित जामजुड़ा के ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कलेक्टर लंगेह ने खेत मे उतरकर डिजिटल क्रॉप सर्वे का किया निरिक्षण

ग्राम टेमरी मे स्वछता ही सेवा, वजन त्यौहार,अमृत सरोवर का अवलोकन

महासमुन्द (समय दर्शन)। जिले के तहसील कोमाखान अंतर्गत संपूर्ण 119 ग्रामों में डिजीटल क्रॉप सर्वे का कार्य प्रारंभ किया चूका है। जिसके तहत तहसील कोमाखान के कुल 1,14,000 खसरों में से 3000 खसरों का डिजिटल क्राप सर्वे के तहत सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है।

सोमवार को तहसील कोमाखान अंतर्गत किये जा रहे डिजिटल क्रॉप सर्वे का निरीक्षण कलेक्टर द्वारा औचक रुप से किया गया, कलेक्टर श्री विनय लंगेह द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के अंतिम सीमा अंतर्गत ग्राम टेमरी में सर्वेयरों द्वारा किये जा रहे सर्वेक्षण के कार्य का निरीक्षण किया गया। उक्त औचक निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत महासमुन्द सी.ई.ओ. एस. आलोक, तहसीलदार बागबाहरा लीलाधर कंवर, तहसीलदार कोमाखान हरीशकान्त ध्रुव एवं जनपद पंचायत बागबाहरा सी.ई.ओ. फक्कीर चरण पटेल उपस्थित रहे।

इस दौरान कलेक्टर लंगेह ने खेतों में उतरकर डिजिटल क्रॉप सर्वे का अवलोकन किया।उन्होंने कहा कि निर्धारित समय सीमा में सर्वे का कार्य पूर्ण कर ले। ज्ञात है कि पूरे प्रदेश में डिजिटल क्रॉप सर्वे के मामले में सरायपाली तहसील में सबसे अधिक सर्वे किया गया है।कलेक्टर ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि निर्देशानुसार सर्वे का कार्य पूर्ण करें।

डिजिटल सर्वे के तहत हल्का पटवारियों के द्वारा सर्वेयरों को नियमानुसार अधिकतम टास्क दिया जा रहा है। सर्वेयरों द्वारा दिये गये टास्क के तहत संबंधित खसरों (खेतों) में जाकर लॉगिन किया जाकर सर्वे का कार्य किया जा रहा है। प्रतिदिन तहसीलदार कोमाखान के द्वारा सर्वेयरों को ऑनलाईन जानकारी पूछी जा रही है कि क्या आप अवेलेबल हैं, और जैसे ही सर्वेयरों द्वारा हाँ का जवाब प्राप्त होती है वैसे ही प्लॉट की स्थिति, खसरा नंबर, भूमि-स्वामी का नाम अपने आप फीड हो जाता है। सर्वेयरों के द्वारा उक्त भूमि पर क्या फसल लगी है उसका तीन फोटो लांगिट्युट और लेटिट्युट के साथ अपलोड किया जा रहा हैं, जिसका हल्का पटवारी द्वारा पर्यवेक्षक के रुप में राजस्व निरीक्षकों के द्वारा सत्यापनकर्ता के रुप में तथा तहसीलदार द्वारा जांचकर्ता अधिकारी के रुप में किया जाकर सर्वे का कार्य पूर्ण किया जा रहा है। उक्त कार्य के अंर्तगत सर्वेक्षकों के द्वारा संपादित सभी खसरे हल्का पटवारी के पास अनुमोदन हेतु प्राप्त हो रहे हैं। हल्का पटवारी द्वारा उक्त खसरे का अनुमोदन किया जा रहा है, या फिर किसी प्रकार का टेक्निकल परेशानियों की स्थिति में पुन: सर्वेयरों को रिसेंड किया जा रहा है। तहसील कोमाखान अंतर्गत ऐसे खसरों की संख्या नगन्य है. जहाँ मौके पर जाकर सत्यापन किये जाने की आवश्यकता हो। टास्क में प्राप्त भूमियों में सर्वेयरों को संबंधित खसरे की भूमि में किस फसल को बोया गया है, फसल की जींस क्या है, मिश्रित फसल की स्थिति में सभी फसलों का अनुमानित रकबा, सिंचित, असिंचित फसल, एकवर्षीय, बहुवर्षीय, मौसमी फसल की स्थिति की जानकारी ऑनलाईन अपलोड़ की जा रही है, भूमि पड़त होने की स्थिति में उक्त भूमि के रकबे की अनुमानित रकबे की प्रविष्टि सर्वेयरों द्वारा किया जा रहा है।

उन्होंने वजन त्यौहार अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र में जाकर बच्चों को मिलने वाले पौष्टिक आहार के बारे में भी जानकारी ली।उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चों का वजन करना सुनिश्चित हो,तत्पश्चात आकलन कर कुपोषित बच्चों के लिए ठोस कार्य योजना बनाएं। इस दौरान कलेक्टर ने गांव में निर्मित अमृतसर का भी अवलोकन किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ एस आलोक मौजूद थे।

सार समाचार

कार में कर रहे थे गांजा तस्करी चार गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश में अवैध गांजा, शराब व नशीले मादर्थ पदार्थों पर रोक लगाने पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस ने गंज और देवेन्द्र नगर क्षेत्र में गांजा की एक बड़ी खेप पकड़ी है। आरोपी एक कार में गांजा की तस्करी कर रहे थे। मुखबीर की सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए कार सवार गांजा तस्करों को दबोच लिया है। इन आरोपियों के कार की तलाशी लेने पर पुलिस की भी आंखे फटी की फटी रह गई। कार में भारी मात्रा में गांजा रखा हुआ था। तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए इन गांजा को प्लास्टिक बैग में भरकर ऊपर से भारी टेप लगा रखा था। ताकि गांजा की महक बाहर न निकले और वो एयर टाइट रहे। मगर पुलिस ने इन सभी आरोपियों को दबोच लिया है। पकड़े गए आरोपियों पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की जा रही है।

महिला अफसर से 30 हजार की अवैध वसूली

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की अफसर (अनुभाग अधिकारी) जयश्री निर्वाण को मनी लॉड्रिंग के केस में फंसाने की धमकी देते हुए अज्ञात ठग ने पीड़िता से 30 हजार रुपए की अवैध उगाही कर ली। पीड़िता की शिकायत पर राखी थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर प्रकरण जांच में लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद पर पदस्थ जयश्री निर्वाण ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। अफसर ने पुलिस को बताया है कि उनके पास शुक्रवार दोपहर अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर टेलीकॉम रेगुलर्टी ऑफ इंडिया के दिल्ली ऑफिस का बताया। महिला अफसर के खिलाफ मनी लांड्रिंग का केस दर्ज होने का झांसा दिया। अफसर के वाट्सएेप नंबर पर फर्जी एफआईआर की कॉपी भेज बैंक अकाउंट चेक करने का झांसा दिया। इसके बाद अकाउंट के चार डिजीट बताने के लिए कहा। महिला अफसर के अनुसार तब उनके अकाउंट में 30 हजार रुपये थे। जालसाज ने महिला अफसर को जांच के बाद आधे घंटा के भीतर रकम लौटाने का झांसा देकर उक्त रकम किसी अन्य अकाउंट में ट्रांसफर कराया। दो घंटे बीतने के बाद भी अकाउंट में पैसा वापस नहीं आया तब उन्हें ठगी होने की जानकारी मिली। सीजीपीएसपी की जांच सीबीआई कर रही है। अध्यक्ष सहित अन्य पर अपराध दर्ज है। उनके यहां टीम ने छापा मारा है। महिला अधिकारी डर से ठग चंगुल में आ गई। और खुद को बचाने के लिए ठगों को जानकारी दे दी।

आर्किटेक्ट्स व इंजीनियरों से की चर्चा

उप मुख्यमंत्री साव ने वाशिंगटन में सड़क और भवन निर्माण कार्यों को देखा

रायपुर(समय दर्शन)। अध्ययन प्रवास पर अमेरिका गए उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने शुक्रवार को वाशिंगटन में सड़क एवं भवन निर्माण स्थलों का दौरा कर कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण स्थलों पर आर्किटेक्ट्स और इंजीनियरों से चर्चा कर निर्माण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री, धातु (स्ह्रह्लड्डद्य) एवं मशीनरी की जानकारी ली। उन्होंने वहां विशेषज्ञों के साथ बैठक कर सड़क एवं भवन निर्माण की नई तकनीकों तथा निर्माण परियोजनाओं के विभिन्न चरणों का अध्ययन किया। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह भी इस दौरान उनके साथ थे। उप मुख्यमंत्री साव ने वाशिंगटन में निर्माण कार्यों के विशेषज्ञों के साथ बैठक कर नई निर्माण तकनीकों तथा यूएसए (ड्ढ्र) में सड़क एवं भवन निर्माण परियोजनाओं की प्लानिंग से लेकर निर्माण तक चरणबद्ध रूप से उठाए जाने वाले कदमों की जानकारी ली। वहां बिम (क्चढ्ढरू) कम्प्यूटर सिस्टम से भवन एवं अधोसंरचना का कम्प्यूटर में संपूर्ण डिज़ाइन तैयार किया जाता है जिससे न केवल उनके निर्माण में लगने वाली सामग्री (स्ड्डह्लद्गह्म्द्बड्डद्य) एवं लागत का सटीक आंकलन होता है, बल्कि बाद में होने वाले मेन्टेनेन्स (रूड्डद्बठ्ठह्लद्गठ्ठड्डठ्ठष्द्ग) के काम में भी मदद मिलती है। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अच्छी गुणवत्ता की टिकाऊ सड़कों और भवनों के निर्माण के लिए अमेरिका में प्रचलित नई तकनीकों एवं उपायों का विस्तृत अध्ययन कर लोक निर्माण विभाग में लागू करने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने वाशिंगटन में विशेषज्ञों से कार्यस्थलों पर निर्माण श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा उपायों की जानकारी ली। उन्होंने सड़कों के पास स्थित रिहायशी इलाकों को ध्वनि प्रदूषण से बचाने के लिए किए जाने उपायों का भी अध्ययन किया। यू.एस.ए. में सड़क निर्माण एवं भवन निर्माण परियोजनाओं में प्रारंभिक डीपीआर स्तर पर काफी विस्तृत अध्ययन किया जाता है, ताकि बाद में आने वाली समस्याओं एवं होने वाले विलंब व लागत में वृद्धि से बचा जा सके।

सुरक्षा और विकास के मोर्चे पर विष्णु सरकार ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं का तेजी से हो रहा विकास

रायपुर(समय दर्शन)। राज्य की विष्णु सरकार आदिवासियों के हित में ठोस कदम उठा रही है। दूरस्थ और पिछड़े वनांचल इलाकों में मूलभूत सुविधाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार के अलावा बुनियादी जरूरतों को पूरा करने का काम तेजी से हो रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने ऐसी कई योजनाएं शुरू की हैं जिनके जमीनी स्तर पर व्यापक प्रभाव से जन-जीवन जीवन बदल रहा है। मुख्यमंत्री की पहल पर नियद नेल्लानार योजना से आज आदिवासी परिवारों के जीवन में आशा की नई किरण आई है। इस योजना में माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित नए कैम्पों के आसपास के गांवों का चयन कर शासन के 12 विभागों की 32 कल्याणकारी योजनाओं के तहत आवास, अस्पताल, पानी, बिजली, पुल-पुलिया, स्कूल इत्यादि मूलभूत संसाधनों का विकास किया जा रहा। दूरस्थ आदिवासी इलाकों से अयोध्या धाम तक सीधी कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री साय की पहल पर भारत सरकार ने हरी झंडी दे दी है। सडकों के विकास को लेकर भी लगातार कार्य किया जा रहा है, जिससे आदिवासी अंचलों तक आवाजाही आसान हुई है। छत्तीसगढ़ सरकार ने 68 लाख गरीब परिवारों को 05 साल तक मुफ्त राशन देने का निर्णय भी लिया, जिसका लाभ बड़ी मात्रा में आदिवासी अंचलों के जरूरतमंद रहवासियों को मिल रहा है। तेंदूपत्ता वनवासियों की आजीविका का मजबूत स्त्रोत है, इससे होने वाली आमदनी को बढ़ाते हुए सरकार ने तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक दर 4000 रुपए प्रति मानक बोरा से 5500 रुपए प्रति मानक बोरा किया, जिसका लाभ चालू तेंदूपत्ता सीजन से ही 12 लाख 50 हजार से अधिक संग्राहकों को मिल रहा है। तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए छत्तीसगढ़ सरकार जल्द ही चरण पादुका योजना भी शुरू करने जा रही है, इसके साथ ही उन्हें बोनस का लाभ भी दिया जाएगा। सुरक्षा और विकास के दोहरे मोर्चे पर काम करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

नियद नेल्लानार से जुड़े विकास के तार

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों, विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के लिए वरदान साबित हो रही योजना

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के विकास के लिए नियद नेंल्लानार योजना चलाई जा रही है। इससे क्षेत्रों के विकास में तेजी आई है। मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। नियद नेल्लानार योजना के तहत स्थानीय लोगों को सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए सुरक्षा कैंप खोले गए हैं और इन सुरक्षा कैंपों की पांच किमी की परिधि में आने वाले गांवों में सरकार की 12कल्याणकारी एवं विकास योकजनाओं के अंतर्गत मूलभूत संसाधन जैसे आवास, पानी बिजली,सड़क, स्कूल आदि सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री की इस योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रहने वालों को सार्वभैम सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सस्ते में खाद्यान्न और प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत बस्तर संभाग के 1335 पकरवरों को घरेलू गैस सिलेंडर मिल गया है, जिससे उनका जीवन सहज और खुशहाल हुआ है। नक्सल प्रभावित बस्तर संभाग में 10हजार154 परिवारों का राशनकार्ड बनवाया गया है, जिससे उन्हें सस्ता खाद्यान्न मिलने लगा है।मुख्यमंत्री साय ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के बच्चों के भविष्य की चिंता करते हुए बस्तर संभाग में नक्सल आतंक से बंद हुए42 प्राथमिक शालाओं को फिर से खुलवाया है। मुख्यमंत्री की पहल पर विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के लोगों और नक्सल प्रभावित क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए पानी टंकी का निर्माण कराकर सोलर मोटरपंप के माध्यम से स्वच्छजल उपलब्ध कराया जा रहा है। इस तरह राज्य सरकार की नियद नेल्लानार योजना नक्सल प्रभावित क्षेत्रों और विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग क लोगों के जीवन स्तर को उठाने के साथ ही वरदान साबित हो रही है।

उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने मुस्लिम समाज के सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

कीचन शेड और अन्य विकास कार्यों के लिए 15 लाख रूपए की घोषणा

रायपुर(समय दर्शन)। वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने कोरबा के वॉर्ड क्रमांक 53 दर्री कनवेयर बेल्ट के पास नवनिर्मित मुस्लिम समाज के सामुदायिक भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया। साथ ही कीचन शेड और अन्य विकास कार्यों के लिए विधायक निधि से 15 लाख रुपए देने की घोषणा की। मंत्री देवांगन ने संबोधित करते हुए कहा की सामाजिक कार्यक्रम के साथ समाज के उत्थान के लिए विभिन्न कार्य पूरे शहर में स्वीकृत किए जा रहे हैं। पिछले 8 महीने में वार्डों के विकास कार्यों के लिए 200 करोड़ रूपए से ज्यादा की स्वीकृति दी जा चुकी है, साथ ही जिन समाज की मांग की गई थी उन सभी भवन को भी स्वीकृति दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री साय द्वारा हर समाज के उत्थान के लिए संकल्पित है। समाज के सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें सशक्त एवं समृद्ध बनाने के लिए हम संकल्पित हैं।

बंद खाते का चेक देकर ठगी

रायपुर(समय दर्शन)। व्यवसाय के लिए पैसा लेकर बंद खाते का चेक देकर ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर सरस्वती नगर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अभिषेक एम नत्थानी 40 वर्ष सिंगापुर सिटी के पास महोबाबाजार का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी आशीष अशोक चड्डा 43 वर्ष ने व्यवसाय के नाम पर प्रार्थी से कई बार पैसा लिया और पटाने के लिए अपने बंद खाता का चेक देकर धोखाधड़ी किया। प्रार्थी की शिकायत पर सरस्वती नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान से नकदी सहित जेवर पार

रायपुर(समय दर्शन)। बजाज कालोनी राजेन्द्र नगर स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी 60 हजार सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर राजेन्द्र नगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया कुमारी बबली 26 वर्ष बजाज कालोनी राजेन्द्र नगर की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने प्रार्थिया के सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी 60 हजार सहित सोने-चांदी के जेवर पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 90 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

पटना में बढ़ते अपराध के खिलाफ राजद विधायक और कार्यकर्ता राजभवन तक विरोध मार्च निकालते हुए।

दोनों राज्यों के परिवहन विभाग के अधिकारियों के बीच सहमति

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश परिवहन विभाग द्वारा यात्री सुविधा के विस्तार एवं सुगम यातायात हेतु 17 वर्षों के बाद दोनों राज्यों के विभागों की पहल पर विगत 11 सितम्बर, 2024 को मध्यप्रदेश के मंत्रालय वल्लभ भवन, भोपाल में बैठक आयोजित की गई। मध्यप्रदेश राज्य की ओर से इस बैठक में श्री एस. एन. मिश्रा, अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, परिवहन विभाग एवं छत्तीसगढ़ राज्य की ओर से श्री एस. प्रकाश, सचिव, परिवहन विभाग सह परिवहन आयुक्त, छत्तीसगढ़ की उपस्थित में हुई। दोनों राज्यों के बीच परिवहन विभाग के विभिन्न मुद्दों पर छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश के मध्य वर्ष 2007 में हुए अंतर्राज्यीय पारस्परिक यातायात समझौता में अभिवृद्धि किये जाने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा 34 नवीन मार्गों एवं मध्यप्रदेश राज्य द्वारा 19 नवीन मार्गों को जोड़ने पर सहमति बनी। इसके अलावा पारस्परिक करार के 81 मार्गों में 36 मार्गों में रिक्ति नहीं होने के कारण फेरा वृद्धि, सहमति मार्गों को पारस्परिक करार में शामिल करने, यातायात के आधुनिकीकरण, मुक्त जोन पर किसी प्रकार का टैक्स नहीं लेने, सहित संबंधित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण सहित अनेक महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर सहमति बनी। बैठक में लिये गये सभी निर्णयों पर कार्यवाही आगामी दिनों में वैधानिक प्रक्रिया अनुसार की जाएगी।

एक साधारण किसान से मछली पालन के अग्रदूत बनने तक की प्रेरक यात्रा

रायपुर(समय दर्शन)। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के ग्राम पंचायत तारा बहरा, तहसील केल्हारी के निवासी श्री अरविन्द कुमार सिंह एक साधारण किसान थे। उनका जीवन भी अन्य ग्रामीण किसानों की तरह संघर्ष पूर्ण और चुनौतियों से भरा हुआ था। सीमित संसाधनों और पारंपरिक खेती के साधनों के माध्यम से आजीविका चलाने वाले अरविंद के लिए अपने परिवार की जरूरतें पूरी करना आसान नहीं था। फिर भी अरविन्द ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने जीवन के हर मोड़ पर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाया और हमेशा कुछ नया करने की कोशिश की। उनकी जिजीविषा और आत्मविश्वास ने उन्हें एक ऐसे रास्ते पर अग्रसर किया, जिसने न केवल उनके जीवन को बदल दिया, बल्कि उनके जैसे सैकड़ों किसानों के लिए एक नया मार्ग भी प्रशस्त किया। अरविन्द कुमार सिंह का जन्म एक सामान्य किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता खेती से जुड़े थे, और खेती ही उनके परिवार की मुख्य आजीविका का स्त्रोत था। अपने परिवार के अन्य सदस्यों की तरह अरविन्द भी बचपन से ही खेतों में काम करने लगे थे। उन्होंने अपने परिवार के साथ खेतों में मेहनत की और फसल उगाने के पारंपरिक तरीकों को सीखा। उनका परिवार खेती से होने वाली मामूली आय पर निर्भर था, जो अक्सर मौसम की अनिश्चितताओं, फसल की बर्बादी, और बाजार की कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण अपर्याप्त साबित होती थी। अरविन्द को यह अहसास हुआ कि पारंपरिक खेती से मिलने वाली आय उनके परिवार के लिए पर्याप्त नहीं थी, और उन्हें किसी वैकल्पिक आय स्त्रोत की तलाश करनी होगी। अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए अरविन्द ने पारंपरिक खेती के अतिरिक्त अन्य विकल्पों के बारे में सोचना शुरू किया। वे जानते थे कि कृषि के क्षेत्र में कुछ नया करना आसान नहीं होगा, लेकिन उनका दृढ़ निश्चय और अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य की चाहत उन्हें नए रास्तों की खोज के लिए प्रेरित करती रही। इसी दौरान अरविंद को राज्य की मछली पालन योजनाओं के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने महसूस किया कि मछली पालन एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कम समय और कम लागत में अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने इसे एक नए अवसर के रूप में देखा, जो न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को सुधार सकता था, बल्कि उनके जैसे अन्य किसानों के लिए भी एक नया रास्ता खोल सकता था। अरविन्द ने मछलीपालन के अपने विचार को मूर्त रूप देने के लिए राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने का निर्णय लिया। उस समय छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार, के शासन में मछलीपालन को बढ़ावा देने के लिए कई प्रोत्साहन योजनाएं चला रही थी। वहीं से अरविन्द ने भी अपने विचारों को स्थानीय प्रशासन और कृषि अधिकारियों के साथ साझा किया, जिन्होंने उनकी योजनाओं को समझा और उन्हें सहयोग का आश्वासन दिया। सरकार की तरफ से उन्हें डबरी (तालाब) निर्माण के लिए 70,000 रुपए की सब्सिडी दी गई। इसके अलावा उन्हें मछली के बीज (अंडे) भी उपलब्ध कराए गए, जिससे वे मछली पालन के व्यवसाय को प्रारंभ कर सके। अरविन्द कुमार सिंह ने अपने मछलीपालन के प्रयासों को विस्तार देने के लिए 3 से 4 एकड़ भूमि में बड़े तालाबों का निर्माण किया, जिन्हें स्थानीय भाषा में श्डबरी श् कहा जाता है। इन तालाबों में उन्होंने मछली की कई किस्मों का पालन शुरू किया, जैसे कि कतला, रोहू, मृगल, पंगेसियस (कैटफिश), रूपचंदा, और कारी मछली उन्होंने तालाबों में स्वच्छ पानी, उचित ऑक्सीजन का स्तर, और मछलियों के लिए उचित भोजन की व्यवस्था की। उनकी मेहनत और समर्पण ने उन्हें मछलीपालन में शीघ्र ही सफलता दिलाई। अरविन्द की पहली सफलता ने उन्हें और अधिक तालाब बनाने और मछलीपालन के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने मछलियों के प्रजनन और पालन-पोषण की नई तकनीकों को भी सीखा और अपने तालाबों में उनका सफलतापूर्वक उपयोग किया। अरविन्द ने केवल मछली पालन में ही नहीं, बल्कि मछलियों के बच्चों के उत्पादन में भी नवाचार किया। उन्होंने पांच छोटे तालाबों का निर्माण किया, जिन्हें विशेष रूप से मछली के बच्चों के पालन-पोषण के लिए तैयार किया गया था। इन तालाबों में उन्होंने कैटफिश (पंगेसियस) के बच्चों का सफलतापूर्वक उत्पादन किया। इस नवाचार ने उन्हें न केवल छत्तीसगढ़ में, बल्कि पूरे क्षेत्र में पहचान दिलाई। अरविन्द इस तकनीक को अपनाने वाले शायद छत्तीसगढ़ के पहले व्यक्ति थे। उनकी इस सफलता ने उन्हें मछलीपालन के क्षेत्र में एक अग्रणी के रूप में स्थापित किया और अन्य किसानों को भी मछलीपालन के लिए प्रेरित किया। अरविन्द के मछली पालन व्यवसाय ने तेजी से सफलता प्राप्त की। उनके तालाबों में मछलियों की अच्छी उपज और उच्च गुणवत्ता के कारण, उन्होंने बाजार में मछलियों को बेचना शुरू किया।

संपादकीय

भारत पिछड़ा मौका हाथ से गया

चीन ने जो जगह खाली की, उसे बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश भरने में कैसे कामयाब हुए और क्यों भारत पिछड़ गया? चुनौती यह सोचने की भी है कि चूंकि वो मौका हाथ से चला गया है, तो अब आगे क्या विकल्प है? श्रम केंद्रित मैनुफैक्चरिंग सेक्टर्स से चीन के हटने से भारत के सामने बड़ा निर्यातक देश बनने का जो अवसर आया था, वह हाथ से निकल गया है। यह बात विश्व बैंक ने कही है। बैंक ने अपने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट में जिक्र किया है कि भारत में अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित प्रत्यक्ष या परोक्ष रोजगार पिछले एक दशक के दौरान घटा है। बताया गया है कि वस्त्र, चमड़ा, कपड़ा, रत्न एवं जेवरात आदि जैसे श्रम केंद्रित सेक्टर्स में विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा गिरता चला गया है। जबकि बांग्लादेश, वियतनाम और पोलैंड जैसे देशों ने अपना हिस्सा बढ़ा लिया है। इसके पहले मीडिया रिपोर्टों में बताया गया था कि 2017-18 के बाद से उपरोक्त वस्तुओं के भारतीय निर्यात में 12 फीसदी की गिरावट आई है। नतीजतन, इन क्षेत्रों से जुड़े कारखाने या तो बंद हुए हैं या उन्होंने अपना उत्पादन घटाया है। स्वाभाविक है कि इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या नौकरियां गई हैं। विश्व बैंक ने इस अंतर्विरोध का उल्लेख किया है कि एक तरफ भारत आज दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है, वहीं देश में शहरी युवा बेरोजगारी की दर 17 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर है। बैंक की राय है कि जब तक भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार से संबंधित क्षेत्रों के वैल्यू चेन (मूल्य शृंखला) में आगे नहीं बढ़ता है, उसके लिए बेरोजगारी की समस्या का हल ढूंढना मुश्किल बना रहेगा। गौरतलब है कि बैंक ने जिस अवधि का विस्तार से जिक्र किया है, वो मेक इन इंडिया और आत्म-निर्भर भारत जैसे नारों के शोर से भरी रही है। लेकिन अब उन नारों की हकीकत देश के सामने है। विचारणीय है कि चीन ने जो जगह खाली की, उसे बांग्लादेश और वियतनाम जैसे देश भरने में कैसे कामयाब हुए और क्यों भारत इसमें पिछड़ गया? चुनौती यह सोचने की भी है कि चूंकि वो मौका हाथ से चला गया है, तो अब देश के सामने क्या विकल्प है? वर्तमान केंद्र सरकार ऐसे गंभीर मसलों पर किसी राष्ट्रीय बहस की शुरुआत करेगी, इसकी उम्मीद तो नहीं है; लेकिन विपक्ष के पास भी क्या इसकी इच्छाशक्ति एवं बौद्धिक साहस है?

चुनाव करवाने के बजाए पद पर जमे हुए हैं जेलेंस्की

यूक्रेन हमलावर है। और वो रक्षात्मक कतई नहीं है। वो रूस की हर ईंट का जवाब पत्थर से दे रहा है। अगस्त में रूसी इलाके में काफी अन्दर तक घुसपैठ करने में यूक्रेन की आश्चर्यजनक सफलता से उसकी जनता और यूक्रेन के मित्र देशों, दोनों का मनोबल काफी बढ़ा है। मगर अब बुरी खबर। यूक्रेन के लुवियो पर हुए एक मिसाइल हमले में कम से सात लोग मारे गए और 53 घायल हुए। इसके पिछले दिन पोल्टावा के एक सैन्य प्रशिक्षण केन्द्र व अस्पताल पर हुए हमले में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। सप्ताहांत पर खार्कीव में एक खेल मैदान को बम का निशाना बनाया गया। इसमें एक चौदह वर्षीय लड़की समेत कम से कम सात लोगों ने अपनी जान गंवा दी। इस बीच पूर्वी यूक्रेन में रूसी सुरक्षाबलों की स्थिति मजबूत हुई है, जहां दसियों हजार यूक्रेनी पलायन की तैयारी कर रहे हैं। यदि रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पोकरोस्क यूक्रेन के हाथ से निकल जाता है, तो यह उसके लिए एक बड़ा धक्का होगा। इन हमलों के बीच राष्ट्रपति व्लादिमिर जेलेंस्की ने जनता की नाराजगी को महसूस करते हुए युद्ध शुरू होने के बाद से सबसे बड़ा एवं महत्वपूर्ण प्रशासनिक फेरबदल किया है। जेलेंस्की का पांच वर्ष का कार्यकाल 20 मई को समाप्त हो गया है लेकिन चुनाव करवाने के बजाए वे पद पर जमे हुए हैं। यूक्रेन में फरवरी 2022 में रूसी आक्रमण के बाद लागू किया गया मार्शल लॉ अभी भी जारी है, जिसके अंतर्गत चुनाव नहीं करवाए जा सकते। हालांकि युद्ध के शुरूआती दौर में जेलेंस्की के प्रयासों और उनके नेतृत्व की प्रशंसा होती थी, और देश की जनता उनके नेतृत्व में एकजुट थी, लेकिन बाद में उनकी लोकप्रियता और उनके प्रति समर्थन घटता गया। कुछ यूक्रेनियाईयों का मानना है कि यदि देश का नेतृत्व किसी अन्य नेता के हाथ में होता तो युद्ध बेहतर तरीके से लड़ा जा सकता था और किसी तरह के शांति समझौते का मार्ग प्रशस्त हो सकता था। उनकी मंत्रिपरिषद में भी उनके प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। पिछले कुछ सप्ताहों के दौरान थोक में इस्तीफे हुए हैं, जिससे बगावत की बू आ रही है। यही वजह है कि जेलेंस्की फेरबदल कर रहे हैं, जिसका लंबे समय से इंतजार था। कई अत्यंत प्रभावशाली और महत्वपूर्ण व्यक्ति बर्खास्त किए जाने वालों की लिस्ट में शुमार हैं। दो उपप्रधानमंत्री और कानून मंत्री तो इनमें हैं ही, मगर हटाए जाने वालों में सबसे जाने-माने व्यक्ति हैं दिमित्रो कुलेबा, जो लंबे समय से विदेशमंत्री हैं। जब उन्होंने फरवरी में अत्यंत लोकप्रिय सेनाध्यक्ष वलेरी ज़ालुज़्नी को बर्खास्त किया था, तो लोगों को काफी आश्चर्य हुआ था, लेकिन विदेश मंत्री और ऊर्जा ग्रिड के प्रमुख व्लादिमिर जेलुनन्यही को हटाए जाने और बोर्ड के दो विदेशी सदस्यों द्वारा राजनैतिक दबाव की शिकायत किया जाना वाकई उनके लिए चिंता का सबब है। इससे यह संकेत भी मिलता है कि नेताओं पर जबरदस्त दबाव है और वे केवल भरोसेमंद सहायकों एवं सहयोगियों पर ही निर्भर रहना चाहते हैं। यूक्रेन की जनता यह चाहती है कि जिस समय यूक्रेन अपने अस्तित्व को बचाए रखने ली लड़ाई लड़ रहा है, तब देश में उपलब्ध प्रतिभाओं का पूरी तरह से इस्तेमाल होना चाहिए। इस फेरबदल को उतना नाटकीय नहीं माना जा रहा है, जितना अनुमानित था, लेकिन इससे जेलेंस्की के निकटस्थ लोगों, विशेषकर उनके चीफ ऑफ स्टाफ एंड्री यरमक की पकड़ मजबूत हुई है। फेरबदल का कारण साफ करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि देश को %नई ऊर्जा' की आवश्यकता थी। समय बीतने के साथ इजरालियों की तरह यूक्रेनी भी युद्ध से थक चुके हैं, और रायशुमारियों के अनुसार सरकार की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है। अतीत में जेलेंस्की ने अपने करिश्माई व्यक्तित्व व प्रसिद्धी का लाभ उठाते हुए कई चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है।

हैरिस बनाम ट्रंप दोनों दलों का मकसद समान

सत्येन्द्र रंजन

मतदान में लगभग दो महीने बाकी हैं, ओपिनियन पोल्स के आधार पर चुनाव के बारे में लगाए जा रहे अनुमानों का आधार बहुत मजबूत नहीं है। खासकर यह देखते हुए कि 2022 के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थकों के बीच एक बड़ी फूट पड़ी है। कई समूह अभी निर्णय करते नहीं है। अपने अलग गुट बनाए हैं। इस तरह उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी से समर्थन वापस लेने का एलान कर रखा है। पांच नवंबर को आने वाला चुनाव परिणाम काफी कुछ इससे तय होगा कि ये समूह अपनी वर्तमान भावना से प्रेरित बने रहते हैं या फिर ट्रंप को बड़ा खतरा मान कर अनिच्छा से डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट डालने की विवशता दिखाते हैं।

यह घटनाक्रम विचित्र है। जब से अमेरिका में 2024 का चुनाव-चक्र शुरू हुआ, जनमत सर्वेक्षणों में डॉनल्ड ट्रंप की बड़ी बढ़त बनी हुई थी। सीएनएन टीवी चैनल पर राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ उनकी बहस के बाद तो यह अंतर इतना बढ़ गया कि डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए उसे पाट पाना लगभग नामुमिकन दिखने लगा। इसे देखते हुए डेमोक्रेटिक पार्टी बीच राह में उम्मीदवार बदलने को मजबूर हुई। पार्टी ऐस्टैबलिशमेंट ने बाइडेन को मैदान से हटने के लिए विवश किया और उप-राष्ट्रपति कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाया। उसके बाद जनमत सर्वेक्षणों और मीडिया कवरेज में चमत्कारिक बदलाव आया। अब चुनाव पूर्व अधिकांश सर्वेक्षणों में न सिर्फ हैरिस की बढ़त बनी हुई है, बल्कि यह बढ़ती ही जा रही है।

आखिर हैरिस की शख्सियत में इतना करिश्माई क्या है? उनके समर्थक प्रमुख रूप से इसके दो कारण बताते है : हैरिस महिला हैं। जिस चुनाव गर्भपात अधिकार को डेमोक्रेट्स ने एक प्रमुख मुद्दा बनाया है, उसके बीच उनका %प्रगतिशील' महिला होना चुनावी लिहाज से फायदेमंद हुआ है।

हैरिस की पारिवारिक पृष्ठभूमि मिश्रित है। वे भारतीय मूल की हिंदू हैं, जिनके पिता कैरिबियन मूल के मार्क्सवादी थे और जिन्होंने एक ईसाई से शादी की। इस तरह डेमोक्रेटिक पार्टी जिस सांस्कृतिक बहुलता की नुमाइंदगी का दावा करती है, उसका वे एक परफेक्ट चेहरा हैं।

मगर हैरिस के साथ कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं।: सबसे पहला पहलू तो यही है कि डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार चुनने की प्रक्रिया- प्राइमरी- में उन्हें एक भी वोट हासिल नहीं हुआ। यानी उन्हें प्रत्याशी पार्टी के व्यापक ढांचे ने नहीं, बल्कि पार्टी नौकरशाहों और लॉबिस्ट्स ने चुना है।

2020 के चुनाव के दौरान हैरिस ने अवश्य प्राइमरी में हिस्सा लिया था। लेकिन तब उनके समर्थन का स्तर इतना कम था कि जिन उम्मीदवारों ने सबसे पहले अपना दावा वापस लिया, उनमें एक हैरिस भी थीं। बाद में जो बाइडेन ने उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि से संभावित सियासी लाभ की गणना करते हुए उन्हें अपना चुनावी साथी बनाया।

हैरिस के भाषण का अंदाज विकर्षक माना जाता है। उनका अपना कोई विशेष प्लैटफॉर्म (नीति एवं कार्यक्रम) नहीं है। इस रूप में वे ओबामा-बाइडेन प्रशासनों की एक कार्बन कॉपी हैं। बाइडेन की डिप्टी होने के कारण वर्तमान प्रशासन की नाकामियों का बोझ भी उन पर है।

उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि श्वेत और कंजरवेटिव बहुमत वाले राज्यों में डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए लाभ के बजाय नुकसान का सौदा साबित हो सकती है।

यानी पॉजिटिव्स (सकारात्मक पहलू) और निगेटव्स (नकारात्मक पहलू) समान रूप से मौजूद हैं। तो फिर अचानक यह मूड परिवर्तन का जादू कैसे हुआ? क्या सचमुच रॉबर्ट एफ। केनेडी (मशहूर केनेडी परिवार से संबंधित डेमोक्रेट नेता, जिन्होंने अब डॉनल्ड ट्रंप को समर्थन देने का एलान किया है) के इस दावे में दम है कि मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित करने के मकसद से ओपिनियन पोल करने वाली एजेंसियों और मेनस्ट्रीम मीडिया के जरिए डेमोक्रेटिक ऐस्टैबलिशमेंट हैरिस का कृत्रिम आभामंडल निर्मित किया है?

फिलहाल, इस बारे में कोई ठोस टिप्पणी करना संभव नहीं है। मगर आगे बढ़ने से पहले हाल के चुनावों के कुछ अनुभवों पर ध्यान दे लेना उचित होगा :

2016, 2020 और 2022 में ओपिनियन पोल पूरी तरह या आंशिक रूप से गलत साबित हुए।?

2016 में एक भी सर्वे में ट्रंप की जीत का अनुमान नहीं लगाया गया था। जिस रोज मतगणना हो रही थी, न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपने इलेक्शन मीटर में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार हिलेरी क्लिंटन की जीत की संभावना 93 प्रतिशत बता रखी थी। मगर मतगणना आगे बढ़ते ही कहानी बदल गई।?

बाद में सर्वे एजेंसियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने क्लिंटन के समर्थन आधार का गलत आकलन किया। इसी तरह उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डॉनल्ड ट्रंप के समर्थन आधार को कम करके आंका।?

अमेरिका में राष्ट्रीय स्तर पर किसे कितने वोट मिले, उससे चुनाव नतीजे तय नहीं होते हैं। 2016 में क्लिंटन को ट्रंप से 27 लाख ज्यादा वोट मिले थे। मगर मुख्य मुकाबला वाले राज्यों (बैटलग्राउंड स्टेट्स) में ट्रंप जीते, जिससे इलेक्ट्रॉल कॉलेज में उन्हें बहुमत प्राप्त हो गया।?

2020 में फिर सर्वे एजेंसियों ने ट्रंप के समर्थन आधार को कम और बाइडेन के समर्थन आधार को बढ़ा कर आंका। मतदान से पहले सबसे आखिरी सर्वेक्षणों में बाइडेन के 7 से 10 फीसदी वोटों के अंतर से जीतने की भविष्यवाणी की गई। मगर बाइडेन सिर्फ 4.5 प्रतिशत मतों के अंतर से जीत सके।

2022 के संसदीय चुनाव में कहानी उलटी रही। तब सर्वे रिपोर्टों में डेमोक्रेटिक पार्टी की बुरी हार होने का अनुमान लगाया गया। लेकिन असल नतीजा यह रहा कि सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी ने अपना बहुमत बरकरार रखने में सफल रही, हालांकि हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव उसके हाथ से निकल गया।?

इस अनुभव का संदेश यह है कि मौजूदा चुनाव में सारी संभावनाएं अभी खुली हुई हैँ। पांच नवंबर को होने वाले मतदान का नतीजा मोटे तैर पर सात बैटलग्राउंड स्टेट्स के रुझान से तय होगा। चुनाव कवरेज पर केंद्रित वेबसाइट रिपोर्ट के मुताबिक इन राज्यों- अरिजोना, नेवाडा, विस्कोंसिन, मिशिगन, पेनसिल्वेनिया, नॉर्थ कैरोलीना और जॉर्जिया में फिलहाल ओपिनियन पोल्स के मुताबिक चार में हैरिस और तीन में ट्रंप आगे हैं।

मगर सवाल वही चुनाव-पूर्व जनमत सर्वेक्षणों के सटीक होने का है। वैसे तो ऐसे सर्वेक्षणों के अनुमान पहले भी कभी-कभार गलत साबित हो जाते थे, लेकिन पिछले लगभग डेढ़ दशक में ऐसा होने के मामले तेजी से बढ़ते चले गए हैं। और यह सिर्फ अमेरिका की बात नहीं है। अभी तीन महीने पहले हमने अपने देश में इन सर्वेक्षणों की धज्जियां उड़ते देखीं। ऐसा क्यों हो रहा है, इस बारे में सर्वे के कारोबार से जुड़े लोगों ने कोई ठोस स्पष्टीकरण नहीं दिया है।

फिर भी हम कुछ अनुमान लगा सकते हैं। 1990 के दशक में अपनाई गई आर्थिक नीतियों को सार्वजनिक बहस से दूर रखने के मकसद से विभिन्न देशों में सामाजिक- सांस्कृतिक मुद्दों पर ध्रुवीकरण को सुविचारित रूप से बढ़ावा दिया गया। विकसित देशों में 2007-08 की मंदी के बाद ऐसे ध्रुवीकरण के लिए वस्तुगत परिस्थितियां गहरी होती चली गईं। ऐसे में किसी भी चुनावी लोकतंत्र वाले देश में सियासी समीकरण पहले जैसे (20वीं सदी के उत्तरार्द्ध की तरह) नहीं रह गए हैं। संभवत- सर्वे एजेंसियां अभी तक नए समीकरणों और मतदाताओं के नए मूड को भांपने के तरीके नहीं ढूंढ पाई हैं।

अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप की परिघटना ऐसे ही ध्रुवीकरण का परिणाम है। ट्रंप ने नव-उदारवादी नीतियों के कारण अवसर गंवाने वाले समूहों तथा धार्मिक मान्यताओं एवं कंजरवेटिव उसूलों से प्रेरित जन समुदायों की व्यापक गोलबंदी करके अस्मिता की जवाबी राजनीति खड़ी की है। समाज में मौजूद आक्रोश और असंतोष को अपने पक्ष में संगठित करने में वे सफल रहे हैं। इस रूप में वे समाज में पारपंरिक राजनीति के लिए एक बड़ी चुनौती के रूप में उभरे हैं। उनके समर्थकों में अक्सर एक तरह का जुनून देखा जाता है। इस जुनून की व्यापकता में कितने लोग समाहित हो चुके हैं, इसका अनुमान लगाना पारंपरिक कौशल के बाहर की चीज हो गई है। इसी तरह उनके विरोधी मतदाताओं में ध्रुवीकरण का स्तर किस रूप में और किस रफ्तार से बढ़ा है, इसका अंदाजा लगाना भी आसान नहीं है। ऐसे ध्रुवीकरण का परिणाम 2022 के संसदीय और राज्य स्तरीय चुनावों में देखने को मिला था, जब डेमोक्रेटिक पार्टी को अनुमान से अधिक कामयाबी मिली।

इसीलिए अभी जबकि मतदान में लगभग दो महीने बाकी हैं, ओपिनियन पोल्स के आधार पर चुनाव के बारे में लगाए जा रहे अनुमानों का आधार बहुत मजबूत नहीं है। खासकर यह देखते हुए कि 2022 के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थकों के बीच एक बड़ी फूट पड़ी है। फिलस्तीन के गज़ा में इजराइल के नरसंहार को बाइडेन-हैरिस प्रशासन ने अंध समर्थन दिया है। इससे नाराज लोग जो बाइडेन को आज जिनोसाइड बाइडन कह कर पुकारना ज्यादा पसंद करते हैं। युवा, अल्पसंख्यक, ब्लैक समुदाय आदि के लोगों में बाइडेन-हैरिस प्रशासन की नरसंहार समर्थक नीतियों से फैले आक्रोश का नज़ारा सड़कों पर, विश्वविद्यालय परिसरों आदि में खूब देखने को मिला है। ये समुदाय पारपंरिक रूप से डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थक रहे हैं। इनमें से कई समूहों ने अशुद्ध नाम से अपने अलग गुट बनाए हैं। इस तरह उन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी से समर्थन वापस लेने का एलान कर रखा है।

पांच नवंबर को आने वाला चुनाव परिणाम काफी कुछ इससे तय होगा कि ये समूह अपनी वर्तमान भावना से प्रेरित बने रहते हैं या फिर ट्रंप को बड़ा खतरा मान कर अनिच्छा से डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट डालने की विवशता दिखाते हैं।

हैरिस के लिए एक अन्य चिंताजनक पहलू महंगाई और बढ़ी ब्याज दरों से पिछले तीन साल में लोगों की बढ़ी आर्थिक मुसीबतें हैं। वृहद अर्थशास्त्र के आंकड़ों से (जिनमें कई फर्जी साबित हुए हैं) से अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की कहानियां फैला कर झूठा सुखबोध पैदा करने की बाइडेन-हैरिस प्रशासन की कोशिश निरंतर नाकाम होती गई है। मगर इससे असंतुष्ट लोगों के मामले में भी सवाल वही है कि क्या वे सत्ताधारी पार्टी को वोट ना देकर अपना गुस्सा निकालते हैं या फिर ट्रंप का खतरा उन्हें ऐसा करने से रोक देता है।

ये सारा विमर्श अमेरिका के लोगों के लिए महत्त्वपूर्ण है। यह अमेरिकी खेमे में शामिल देशों के लोगों के लिए भी अहम है। मुमकिन है कि ग्लोबल साउथ के शासकवर्गीय लिबरल और कंजरवेटिव समूहों को भी यह अहम मालूम पड़े। इसलिए कि पश्चिमी प्रचार तंत्र के प्रभाव में जीने वाले उनमें से बहुत से लोग- जो चुनावी लोकतंत्र को आदर्श मानते हैं- उन्हें हैरिस लिबरल-प्रोग्रेसिव और ट्रंप कंजरवेटिव-प्रतिक्रियावादी नजर आते हो सकते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि अमेरिका के सत्ता तंत्र में ऐसा जो भी बंटवारा नजर आता है, सुविचारित ढंग से तैयार किया गया एक भ्रमजाल है। कम-से-कम आज के दौर में तो यह बात सोलह आने सच है।

इसलिए वैसे तो रह जगह के, लेकिन कम-से-कम ग्लोबल साउथ के मेहनतकश तबकों और आम लोगों को अमेरिकी चुनाव को देखने के लिए अलग पैमाना अपनाने का जरूरत है। किसी खेल की तरह चुनावों में भी एक तरह का रोमांच मौजूद रहता है। चुनावी गणनाओं में अक्सर आम इनसान की दिलचस्पी बन जाती है। इस रूप में अमेरिकी चुनाव में भी दिलचस्पी स्वाभाविक है। लेकिन जहां तक महत्त्व की बात है, तो बाकी दुनिया के आम जन के लिए यह सवाल ज्यादा अहम है कि क्या ट्रंप या हैरिस से किसी के जीतने या हारने से उनके हितों को कोई फर्क पड़ेगा?

इस प्रश्न पर विचार करते हुए इन पहलुओं को अवश्य ध्यान में रखना चाहिए

* अमेरिका में दोनों प्रमुख दलों पर नव-रूढ़िवादी का पूरा नियंत्रण है। इसलिए सत्ता में चाहे कोई पार्टी आए, नीतियां इस सोच से प्रेरित लोग ही तय करते हैं। इस सोच का प्राथमिक और घोषित मकसद दुनिया पर अमेरिका के समग्र वर्चस्व को बनाए रखना और उठ रही हर चुनौती को कुचल देना
* इस सोच के तहत दोनों दलों की सरकारों ने पिछले तीन दशक में अनेक देशों पर सैनिक हमले किए हैं। यूगोस्लाविया, अफगानिस्तान, इराक, लीबिया, सीरिया आदि इस बात की चंद मिसालें भर हैं।
* अमेरिका की कुख्यात मिलिटरी-इंडस्ट्रियल कॉम्पलेक्स के हितों के अनुरूप घरेलू और विदेशी नीतियों को ढालते हैं।
* दोनों दलों के नेतृत्व पर वित्तीय हितों का पूरा नियंत्रण है, जिनके चंदों पर इन पार्टियों की संभावनाएं टिकी होती हैं।
* इस वक्त दुनिया में दो युद्ध चल रहे हैं और तीसरे की पृष्ठभूमि बनाई जा रही है। इन तीनों घटनाक्रमों में अमेरिका की लगभग प्रत्यक्ष भागीदारी है।
* यूक्रेन और गज़ा में जारी युद्धों और एशिया-प्रशांत में बढ़ रहे तनाव के लिए बाइडेन-हैरिस प्रशासन को सीधे जिम्मेदार ठहराने का ठोस आधार मौजूद है।
* युद्ध के जरिए अमेरिकी वर्चस्व को कायम रखने की रणनीति के बीच हैरिस और ट्रंप में एक मोटा फर्क जरूर है। रिपब्लिकन ऐस्टैबलिशमेंट का एक हिस्सा- जिसमें ट्रंप शामिल हैं- मानता है कि अमेरिका का हित रूस को साथ लेकर चीन को कमजोर करने में है। इसलिए ट्रंप यूक्रेन युद्ध की तुरंत समाप्ति चाहते हैं। जबकि बाइडेन-हैरिस प्रशासन ने एक साथ दोनों के खिलाफ मोर्चे खोल रखे हैं।
* अमेरिका के आर्थिक एवं वित्तीय हितों के मुताबिक विश्व अर्थव्यवस्था का स्वरूप बनाए रखने के सवाल पर दोनों पक्षों के बीच कोई मतभेद नहीं है।

जैसे-जैसे दुनिया पर अमेरिकी वर्चस्व घटा है, दोनों पार्टियों की नीतियां अधिक आक्रामक हो गई हैं। इसलिए वैश्विक मेहनतकश आवाम के लिए हैरिस या ट्रंप की बहस में पडना़ निरर्थक है। लिबरल और कंजरवेटिव की बहस या इनके बीच दिखने वाला विभाजन दरअसल, सत्ता हासिल करने की रणनीतियां भर हैं। सत्ता में आने के बाद दोनों दलों का मकसद समान रहता है। तो भला हम हैरिस बनाम ट्रंप की बहस में क्यों पड़ें?

सबसे ख़ौफ़नाक हवाई अपहरण

रजनीश कपूर

जम्मू कश्मीर के पूर्व डीजीपी डॉ एस पी वैद के अनुसार, उस समय की सरकार के क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप ने निर्णय लेने में बहुत देर लगाई। यदि उस विमान को अमृतसर हवाई अड्डे से उडने़ नहीं दिया जाता तो तस्वीर पूरी तरह बदल जाती। अमृतसर में तैनात स्थानीय अधिकारियों को भी बिना किसी औपचारिक आदेश के, राष्ट्र हित में यह निर्णय ले लेना चाहिए था कि किसी भी सूरत में विमान को उडने़ नहीं दिया जाए।

बीते सप्ताह नेटफ्लिक्स पर सत्य घटनाओं पर आधारित एक वेब सीरिज़ रिलीज़ हुई जिसे लेकर काफ़ी बवाल मचा। जैसे ही मामले ने तूल पकड़ी, नेटफ्लिक्स ने बिना किसी विलंब के स्पष्टिकरण भी दे दिया। परंतु जिस तरह सत्तापक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं उस स्थिति पर तो मशहूर शायर शहाब जाफ़री का ये शेर एक दम सही बैठता है, तू इधर उधर की न बात कर ये बता कि क़ाफ़िला क्यूँ लुटा? मुझे रहजनों से गिला नहीं तेरी रहबरी का सवाल है। आज हम बात करेंगे देश के इतिहास में हुए सबसे ख़ौफ़नाक हवाई अपहरण की। इस हाईजैक को लेकर बनी वेब सीरिज़ पर इन दिनों काफ़ी बवाल मचा हुआ है। परंतु सवाल उठता है कि यदि ओटीटी प्लेटफार्म ने भूल को सुधार ही लिया है तो फिर बवाल किस बात का? बवाल या विवाद यदि होना ही है तो उस समय की परिस्थितियों को लेकर हो तो शायद सत्य जनता के सामने आए।

यदि चंद घंटों के लिए आपकी ट्रेन या फ्लाइट में देरी हो जाए तो आप किस कदर परेशान हो जाते हैं इसका अनुमान तो आसानी से लगाया जा सकता है। परंतु यदि आप अपने गंतव्य पर जा रहे हैं और अचानक से आपके विमान का हाईजैक कर लिया जाए तो आपकी क्या मनोस्थिति होगी इसका अंदाज़ा लगाना मुश्किल है। अपहरण जैसे हादसे न सिर्फ़ यात्रियों की बल्कि यात्रियों के परिवार और सरकार की भी परेशानी का सबब बन जाते हैं। क्योंकि न तो कोई सरकार या कोई भी यात्री इन परिस्थितियों के लिए तैयार रहता है। 1999 में हुए आईसी-814 का अपहरण, भारत के इतिहास में अब तक का सबसे लंबा चलने वाला अपहरण है।

इस अपहरण को लेकर उस समय की सरकार द्वारा लिए गए' और न लिये गये' निर्णयों पर विवाद एक बार फिर से गरमा गया है। सत्तापक्ष का कहना है कि नेटफ्लिक्स पर दिखाए जाने वाली वेब सीरिज़ ने तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया है। यदि ऐसा है तो निर्माताओं द्वारा ऐसा करना बिलकुल ग़लत है। वहीं इस विमान में मौजदू एक महिला यात्री का वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी हुआ है जिसने इस बात को खुल कर कहा है कि वेब सीरीज़ में दिखाए गए सभी घटनाक्रम सहीं हैं।

विवाद की बात करें तो सत्तापक्ष को इस बात पर एतराज़ था कि वेब सीरिज़ के निर्माताओं ने पाकिस्तानी मूल के अपहरणकर्ताओं के असली नाम नहीं बताए। उनके कोड नामों को ही प्रचारित किया गया है। चूँकि मैंने इस वेब सीरिज़ को पूरा देखा है इसलिए मैं और मेरे जैसे सभी दर्शक इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि भारत की खुफ़िया जाँच एजेंसियों के जिन अधिकारियों को इस वेब सीरिज़ में दिखाया गया है, उनमें से कई अधिकारियों ने इन आतंकी अपहरणकर्ताओं के असली नाम भी लिये हैं। परंतु इस तथ्य को भी नहीं झुठलाया जा सकता है कि, हाईजैकिंग के दौरान आईसी-814 में सवार यात्रियों ने पूछताछ में बताया था कि हाईजैकर्स एक-दूसरे को बुलाने के लिए कोडनेम का इस्तेमाल कर रहे थे। ये कोडनेम, चीफ, डॉक्टर, बर्गर, भोला और शंकर थे। यह बात भी सही है कि इनके असली नाम इब्राहिम अतहर, शाहिद अख्तर सईद, शनि अहमद काजी, मिस्त्री जहूर इब्राहिम और शाकिर थे। इन नामों का खुलासा 6 जनवरी 2000 को केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में किया गया।

जिस बात को लेकर इस वेब सीरिज़ पर बवाल हुआ है वह यह कि ऐसे आतंकियों को हिंदू कोडनेम से क्यों बुलाया गया है? ग़ौरतलब है कि जिस किसी ने भी यह वेब सीरीज़ देखी है वह बड़ी आसानी से इस बात की पुष्टि कर सकता है कि किस तरह नेपाल में पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारी इनका सहयोग कर रहे थे। विमान में यात्रा से पूर्व इन आतंकियों के पहनावे से भी यह बात स्पष्ट हो जाती है कि वे हिंदू नहीं थे। तो फिर बिना बात का बवाल क्यों? वहीं उस समय के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जो अब सेवानिवृत हो चुके हैं, ये मानते हैं कि आईसी-814 के अपहरण को भारत सरकार द्वारा सही से मैनेज' नहीं किया गया।

किस तरह एक सरकारी विभाग, दूसरे विभाग पर ज़िम्मेदारी डालता रहा। एक टीवी चैनल को साक्षात्कार देते हुए जम्मू कश्मीर के पूर्व डीजीपी डॉ एस पी वैद के अनुसार, उस समय की सरकार के क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप ने निर्णय लेने में बहुत देर लगाई। यदि उस विमान को अमृतसर हवाई अड्डे से उडने़ नहीं दिया जाता तो तस्वीर पूरी तरह बदल जाती। अमृतसर में तैनात स्थानीय अधिकारियों को भी बिना किसी औपचारिक आदेश के, राष्ट्र हित में यह निर्णय ले लेना चाहिए था कि किसी भी सूरत में विमान को उडने़ नहीं दिया जाए।

आईसी-814 के अपहरण के बदले छोड़े जाने वाले खूँख़ार आतंकवादियों के विषय में डॉ वैद कहते हैं कि, ऐसे खूँख़ार आतंकियों को ज़िंदा पकडना़ ही ग़लत है। यहाँ मुझे एक दिलचस्प क़िस्सा याद आ रहा है। अब से कई वर्ष पहले मुरादाबाद में मैं एक कार्यक्रम में शामिल हुआ था जहां पंजाब के पूर्व डीजीपी केपीएस गिल से एक महिला ने सवाल पूछा, गिल साहब जब आप पंजाब में खूँख़ार आतंकियों को पकड़ते थे तो आपको कैसा महसूस होता था? गिल साहब के उत्तर को सुन पूरा हॉल ठहाके लगा कर हंस पड़ा। उनका उत्तर था, मैडम कृपया अपने तथ्य सही कर लें, मैंने कभी किसी आतंकी को ज़िंदा नहीं पकड़ा।

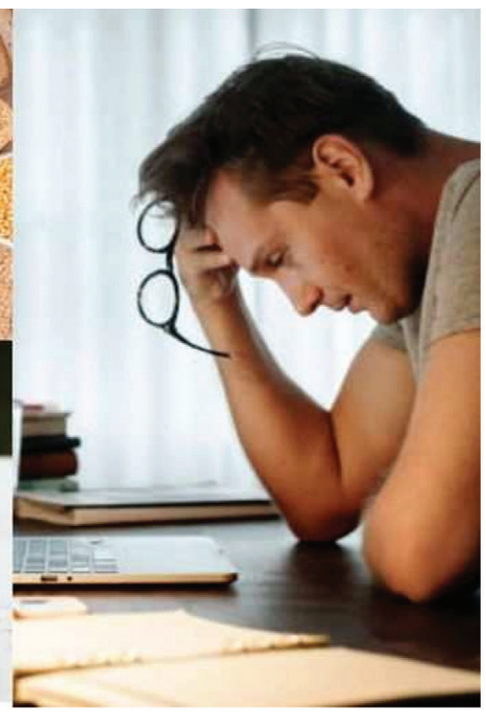

टेंशन और डिप्रेशन बढ़ाते हैं डेली खाए जाने वाले ये फूड

मौजूदा दौर में तनाव, चिंता और अवसाद जैसी मानसिक समस्याएं होना कोई नई बात नहीं है। आधुनिक युग में ये परेशानियां काफी प्रचलित हो गई हैं, खुशी से ज्यादा लोग अब टेंशन में डूबे दिखते हैं। वास्तव में चिंता और तनाव का कोई इलाज नहीं है। क्योंकि ऐसे तमाम लोग हैं जिन्होंने थेराप्यूटिक यानी चिकित्सा का सहारा भी लिया, लेकिन अपने मानसिक स्वस्थ्य को बनाए रखने में असफल हैं। ऐसे में हमें इस समस्या का समाधान खुद से ही खोजना होगा। बहुत कम लोगों को पता है कि डेली रूटीन में खाए जाने वाले फूड आइटम्स भी टेंशन और स्ट्रेस का कारण होते हैं। लिहाजा उन खाद्य पदार्थों के बारे में जानकर चौंकें नहीं, जो तनाव को बढ़ावा देते हैं या मानसिक स्थिति को खराब करते हैं; जिनका आप रोजाना सेवन करते हैं। यहां हम इन ऐसे ही खाद्य पदार्थों की सूची जारी कर रहे हैं जिनके सेवन से आपकी टेंशन और तनाव को बढ़ावा मिलता है।

रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट

हृदय की समस्याओं, मधुमेह या मोटापे के बढ़ते जोखिम का एक सॉलिड रीजन रिफाइंड कार्बोहाइड्रेड है। मानसिक स्वास्थ्य संगठन के एक शोध ने साबित किया कि रिफाइंड चीनी सहित रिफाइंड कार्ब्स के सेवन से चिंता और अवसाद दोनों का खतरा बढ़ जाता है। अगर आप इस समस्या से छुटकारा पाना चाहते हैं तो जल्द ही सफेद आटा, सफेद ब्रेड, सफेद चावल, एगेव चीनी, सिरप, कन्फेक्शनरी प्रोडक्ट्स प्रोसेप्ड स्नैक्स, पास्ता आदि के उपयोग को छोड़ने का प्रयास करें। इनकी बजाए आप हेल्दी आहार के तौर पर ओट्स, ब्राउन राइस, क्विनोआ, अनाज, साबुत ब्रेड या अंकुरित गेहूं के आटे का प्रयोग करें।

चीनी युक्त खाद्य पदार्थ

मीठे खाद्य पदार्थ रक्त शर्करा यानी ब्लड शुगर लेवल में उतार-चढ़ाव का कारण बन सकते हैं जो हमारे एनर्जी लेवल को भी प्रभावित करते हैं। यहां तक कि मूड को भी इंबैलेंस कर सकते हैं जिससे टेंशन बढ़ती है। इसलिए आपको ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन भी बंद करना चाहिए जिनमें चीनी की अत्यधिक मात्रा हो। प्राकृतिक चीनी के विकल्प में आप एरिथ्रिटोल और याकॉन सिरप से बने प्रोडक्ट्स का उपयोग करने का प्रयास करें। प्राकृतिक फलों और सब्जियों का रस चीनी से बने खाद्य पदार्थों से कहीं बेहतर हैं।

कैफीनयुक्त पेय पदार्थ

कैफीन युक्त ड्रिंक के सेवन से भी चिंता, तनाव और अनिद्रा की समस्या होती है। थोड़ी मात्रा में कैफीन का सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता, लेकिन अगर आप इसे अधिक मात्रा में लेते हैं तो जल्द ही चिंता, तनाव का शिकार हो सकते हैं। यह मत भूलिए कि सामान्य चाय, कुछ चॉकलेट और यहां तक कि फ्लेवर्ड केक में भी कैफीन होता है। इसके बजाय आपको हर्बल टी, पुदीना, नींबू या नारियल पानी का विकल्प चुनना चाहिए।

ट्रांस फैट

हर बार जब आप चिप्स या चिकन नगेट्स का पैकेट खोलते हैं, तो याद रखिए इससे आपकी मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ सकती हैं। तेल से तले खाद्य पदार्थों की बजाए आपको घी, मक्खन जैसे संतृप्त वसा से बने स्नैक्स का सेवन करना चाहिए।

शराब

शराब लिवर ही नहीं बल्कि पूरे स्वास्थ्य को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। बहुत से लोग ब्रेकअप, मिजाज या गुस्से को दूर करने के लिए शराब का सहारा लेते हैं। वे इसे मूड ठीक करने का एक बढ़िया सोर्स मानते हैं लेकिन इसके विपरीत हमारी सेहत को खराब कर देती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि शराब दिमाग में सेरोटोनिन और न्यूरोट्रांसमीटर की एक्टिविटी को बदल देती है जिससे चिंता बढ़ जाती है। इसकी बजाए आपको मोजितो या मॉकटेल या गैर-अल्कोहल बियर का सेवन करना चाहिए।

अधिक मात्रा में नमक

शरीर में अतिरिक्त सोडियम गुर्दे के साथ-साथ तंत्रिका तंत्र को भी हानि पहुंचा सकता है। नमक मूड विकारों जैसे मूड स्विंग, टेंशन, तनाव और अवसाद, यहां तक कि थकान को भी जन्म दे सकता है। इसलिए नमक का सेवन कम से कम करें।

मौसमी बीमारियों का रामबाण इलाज है गिलोय

निरोगी काया के लिए गिलोय एक चमत्कारी पौधा है, यह कई बीमारियों को दूर करने में कारागार होता है।

इसके पत्ते पान के पत्तों की जैसे होते हैं और इसके सेवन से शरीर स्वस्थ्य रहता है। आइए आज हम आपको यहां बता रहे हैं कि गिलोय किन-किन बीमारियों को दूर करने में मददगार होता है। बता दें कि गिलोय सबसे ज्यादा लाभकारी डायबिटिज के रोगियों के लिए होता है। इसमें हाइपोग्लैसेमिक होता है जो शरीर में शुगर की मात्रा को संतुलित बनाये रखता है। इसी कारण से डायबिटीज के रोगियों को शुगर कंट्रोल करने के लिए गिलोय का सेवन करने की राय दी जाती है। हालांकि बिना डॉक्टर के परामर्श के इसका सेवन नहीं करना चाहिए। अगर गिलोय के पत्तों को पानी में उबालकर आंखों पर रखा जाए तो इससे नेत्र रोग दूर होते हैं और आंखों की रोशनी बढ़ती है। गिलोय में रोगप्रतिरोधक क्षमता होती है इसी कारण से ये छोटी-छोटी बीमारियों को शरीर से दूर रखता है। इसका सेवन करने से सर्दी-जुकाम, गैस, कब्ज और अन्य बीमारियों से बचा जा सकता है।

उम्र बढ़ते ही क्यों होती है पेट में सूजन और भारीपन की समस्या

जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है वैसे-वैसे शरीर में कई तरह के बदलाव देखने को मिलते हैं। चेहरे पर झुर्रियां, सफेद बाल, त्वचा का मुरझाना जैसे बढ़ती उम्र के आम लक्षण हैं। इसी के साथ-साथ लोगों को कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी होने लगती हैं। उम्र के एक पढ़ाव पर लोगों को मोतियाबिंद, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, गर्दन दर्द, मधुमेह सहित न जाने कितने ही विकारों का सामना करना पड़ता है। वृद्धावस्था में लोगों की सेहत को प्रभावित करने वाली हेल्थ कंडीशन की एक लंबी लिस्ट में ब्लोटिंग यानी पेट फूलना की भी एक बड़ी समस्या है। आमा भाषा में इसे इसे पेट की सूजन भी कहते हैं। पेट की सूजन को गेस्ट्राइटिस भी कहते हैं और इसके कई बार कोई लक्षण दिखाई नहीं देते लेकिन महसूस होते हैं। यहां हम आपको इस विकार के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

ब्लोटिंग का क्या कारण है?

आमतौर पर सभी एज ग्रुप के लोग समय-समय पर अपने पेट को फूला हुआ महसूस करते हैं। लेकिन एक उम्र के साथ ये समस्या बार-बार होने लगती है। पेट में सूजन तब होती है जब गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट हवा या कहें गैस से भर जाता है। यही गैस हमारे पेट को भरा हुआ, तंग या सूजा हुआ महसूस कराती है। अत्यधिक पेट फूलना और पेट में गड़गड़ाहट सूजन के कुछ अन्य सामान्य लक्षण हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जिनके बारे में यहां जिक्र है। वृद्ध लोगों के मामलों में इन्हीं फैक्टर्स के कारण बार-बार सूजन होती है।

- बहुत तेजी से भोजन करना
- एक साथ ढेर सारा पानी पी जाना
- धूम्रपान करना
- देर तक च्युइंग गम चबाना
- इरिटेटेड बाउल सिंड्रोम
- कब्ज
- गैस बनना
- फूड सेंसिटिविटी

कुछ विशिष्ट फलों और सब्जियों में फाइबर की मात्रा काफी अधिक होती है जिसे पचा पाना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। पेट में फाइबर को पचाने में थोड़ी मुश्किल होती थी, जिससे अक्सर पेट फूलने या सूजन की समस्या हो जाती है। यही वजह है कि वृद्ध लोगों के लिए ठीक से पका हुआ हल्के भोजन करने की सलाह दी जाती है, जिसे वे आसानी से निगल सकें। यदि ये समस्या गंभीर है तो उन्हें ऐसे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए जो अक्सर सूजन का कारण बनते हैं।

पेट के एसिड में कमी

उम्र बढ़ने के साथ ही पेट में भोजन पचाने वाले एसिड की भी कमी हो जाती है जिससे बुजुर्गों का पेट फूलने लगता है। बता दें कि बुजुर्गों में उम्र बढ़ने के साथ ही फूड को डाइजेस्ट करने वाले एसिड पेप्सिन का उत्पादन लगभग 40 प्रतिशत कम हो जाता है। पेप्सिन की कमी से शरीर के लिए प्रोटीन को तोड़ना मुश्किल हो जाता है, जिससे लोग फूला हुआ महसूस करते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए लोगों को प्रोटीन के एनिमल बेस्ड सोर्स का सेवन कम करना चाहिए। साथ ही उन्हें अपनी डाइट में प्लांट बेस्ड प्रोटीन को शामिल करना चाहिए।

दवाओं का सेवन

कुछ दवाएं भी आपके पाचन संबंधी समस्या के लिए भी जिम्मेदार हो सकती हैं। ब्लोटिंग एस्पिरिन, फाइबर सप्लीमेंट्स और कुछ दर्द निवारक जैसी दवाओं का साइड इफेक्ट हो सकता है। यदि आपको कोई नई दवा दी गई है जिससे पेट फूल रहा है या आप इसे खाने से काफी असहज महसूस कर रहे हैं तो अपने डॉक्टर से सलाह लें।

दूसरी हेल्थ कंडीशन्स

कुछ अन्य स्वस्थ्य स्थितियां जो ज्यादातर बुढ़ापे में उभरती हैं, जो सूजन और बैचेनी का कारण बन सकती हैं।

- इरिटेबल बॉएल सिंड्रोम
- सीलिएक रोग
- क्रोहन रोग
- गैस्ट्रोएसोफेगल प्रतिवाह रोग
- पेट दर्द
- बड़ी आंत में सूजन
- इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज
- मधुमेह

संक्रमण से बचाव में कितनी कारगर है स्पूतनिक-वी

कोरोना वायरस से बचाव के लिए हर क्षेत्र में वैक्सीनेशन पर अधिक से अधिक जोर दिया जा रहा है। तीसरी लहर के पूर्व अधिक से अधिक लोगों को वैक्सीन का एक डोज लेने पर भी जोर दिया जा रहा है। भारत में अभी तक करीब 36 करोड़ लोगों को वैक्सीन की एक खुराक लग चुकी है। वहीं 7 करोड़ लोगों को वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी है। भारत में दूसरी लहर का प्रकोप भयावह रहा है। ऐसे में विदेशी वैक्सीन का भी सहारा लिया जा रहा है। जिसमें स्पुतनिक वी वैक्सीन और मॉडर्ना वैक्सीन मुख्य रूप से शामिल है। इन्हें आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूरी मिली है। रूसी स्पुतनिक वी कोरोना काल के दौरान सबसे पहले बनाई गई वैक्सीन में से एक है। जिस पर कई सारे सवाल उठे थे। लेकिन यह वैक्सीन आज अन्य वैक्सीन के मुकाबले सबसे अधिक कारगर है। इतना ही नहीं कोविड-19 जितनी तेजी से अपना स्वरूप बदल रहा है उस पर भी यह वैक्सीन असरदार साबित हो रही है। वायरस न जाने कितनी बार अपना स्वरूप बदल चुका है।और लगातार म्यूटेट हो रहा है। आइए जानते हैं स्पुतनिक वी वैक्सीन संक्रमण से बचाव में कितनी कारगर साबित हो रही है।

स्पुतनिक वी वैक्सीन कितनी असरदार है

मॉस्को के गैमालेया इंस्टीट्यूट द्वारा इस वैक्सीन को विकसित किया गया था। वैक्सीन के तीसरे ट्रायल के परिणाम के पहले ही इसे मंजुरी मिल गई थी। लेकिन यह वैक्सीन 90 फीसदी से अधिक सुरक्षित मानी गई है। सभी प्रकार के कोविड वेरिएंट पर प्रभावी नजर आ रही है। साइंस जर्नल द लैंसेट में एक आर्टिकल पब्लिश किया गया था जिसमें स्पुतनिक वी कोविड के अलग-अलग वेरिएंट पर 92 फीसदी सुरक्षित पाई गई। वहीं कंपनी गमलेया के हेड एलेक्जेंडर गिंट्रसबर्ग ने भी एक वीडियो जारी कर कहा था कि स्पुतनिक वी कोरोना के सभी वेरिएंट पर असरदार है। भारत में यह वैक्सीन आपातकाल की स्थिति के लिए ही उपयोग की जा रहे हैं जिसकी कीमत 1,145 रुपये है।

कोविशील्ड और कोवैक्सीन से कैसे अलग है स्पुतनिक -वी

कोरोना वायरस के प्रकोप ने पूरी दुनिया को एक साथ भयावह तजुर्बा दिया है। जिससे बचाव के लिए हर देश एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं। भारत में बन रही कोविड वैक्सीन और कोवैक्सीन के अलावा रूसी वैक्सीन स्पूतनिक वी को भी भारत के लिए मंजूरी मिल गई है। और देश के तमाम मेट्रो शहरों में यह वैक्सीन लगाई जा रही है। सभी देशों के वैज्ञानिकों ने अलग-अलग तरीकों से वैक्सीन को इजाद किया है। लेकिन सबसे अधिक चर्चा स्पूतनिक वैक्सीन की ही है। इसका सबसे बड़ा एक कारण यह है कि वायरस लगातार म्यूटेट हो रहा है। जिस पर यह काफी असरदार साबित हो रही है। आइए जानते हैं सबसे चर्चित वैक्सीन स्पुतनिक वी वैक्सीन कोविशील्ड और कोवैक्सीन से कितनी अलग है।

दरअसल सिर्फ दो महीने में तैयार की गई थी स्पुतनिक वी। इसे तैयार करने के लिए सर्दी होने वाले वायरस का उपयोग किया गया है। जिसे शरीर में डालने के लिए कोरोना वायरस के छोटे से अंश का भी इस्तेमाल किया गया। और वायरस को वैज्ञानिक तर्ज पर तैयार किया गया। वैक्सीन को बनाने में इस तरह के बदलाव किए गए की शरीर में जाने के बाद वह लोगों को किसी तरह का नुकसान नहीं हो। अन्य वैक्सीन के मुकाबले स्पुतनिक वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स भी बहुत कम रहे। रिपोर्ट्स के मुताबिक किसी वायरस का जेनेटिक कोड का टुकड़ा जब शरीर में जाता है इम्यून सिस्टम खतरे को पहचान कर उससे लड़ना सीख जाता है। वैक्सीनेशन के बाद वायरस के अनुरूप एंटीबॉडी बनाना शुरू कर देता है। स्पुतनिक वी पहली और दूसरी खुराक के लिए टीक के दो अलग-अलग रूप का प्रयोग करता है। स्पुतनिक वी के डोज का अंतराल अन्य वैक्सीन के मुकाबले बहुत कम है। सिर्फ 21 दिन बाद ही आपको इसका दूसरा डोज भी लग जाएगा। इस वैक्सीन को 2 से 8 डिग्री सेल्सियस पर स्टोर किया जा सकता है। फिलहाल देश में स्पुतनिक वी वैक्सीन के लिए 75 करोड़ खुराक बनाने का टाइअप किया गया है। करीब 60 देशों में इसे मंजूरी मिली चुकी है।

कोविशील्ड और कोवैक्सीन से कैसे अलग है

कोवैक्सीन इनएक्टिवेटेड वायरस से बनी है, कोविशील्ड वायरल वेक्टर से बनी है। कोवैक्सीन का डोज 28 दिन बाद लगता है वहीं कोविशील्ड का 60 से 80 दिन बाद लगता है। स्पुतनिक वी भी वायरल वेक्टर की मदद से तैयार किया गया लेकिन उसके डोज अलग-अलग रूप के होते हैं। साथ ही 21 दिन का ही अंतराल होता है।

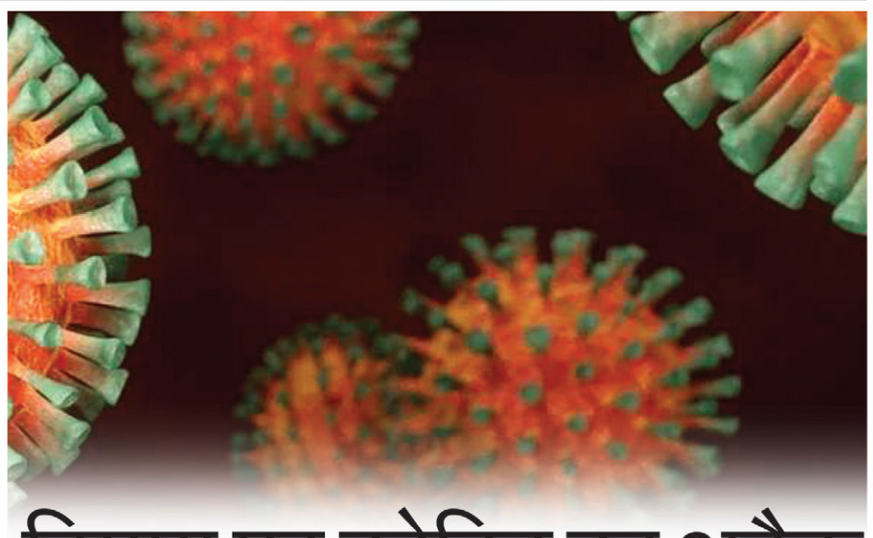

दिमाग पर कोविड का अटैक मरीजों में दिखा ब्रेन फॉग

कोरोना वायरस संक्रमण की मार इतनी भयावह होगी कि किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। कोविड-19 से ठीक होने के बाद लगातार नई-नई बीमारियां इजाद हो रही है। म्यूकरमाइकोसिस, ब्लड क्लॉटिंग, हेयर फॉल, साइटोमेगालोवायरस आदि। कोविड से ठीक हो रहे मरीजों में ब्रेन फॉग के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। यह नई बीमारी जीवन घातक बीमारी से कम नहीं है। इंटरनेशनल ई-पेपर मेडरिक्सिव ने एक रिपोर्ट में दावा किया कि कोविड-19 के करीब 58 फीसदी मरीजों में ब्रेन फॉग के लक्षण दिखाई दिए। आइए जानते हैं क्या है ब्रेन फॉग, कोविड मरीजों में किस वजह से लक्षण नजर आ रहे हैं और कैसे पहचाने ब्रेन फॉग के लक्षण।

ब्रेन फॉग क्या होता है

ब्रेन फॉग एक गंभीर समस्या बनकर उभरी है। यह दिमाग से जुड़ी बीमारी है। इसमें दिमाग सही तरीके से काम नहीं करता है। व्यक्ति का कॉन्शियस माइंड बार-बार बाधित होता है। जिस वजह से वह थोड़ी-थोड़ी देर में थक जाता है। ब्रेन फॉग की वजह से ध्यान केंद्रित करने में परेशानी होती है, याददाश्त प्रभावित होती है, कई बार उचित निर्णय लेने में भी परेशानी होती है। जारी रिसर्च और न्यूरोलॉजिस्ट के मुताबिक कोरोना वायरस संक्रमण से ठीक हुए मरीजों में ब्लड क्लॉट के बाद यह समस्या सामने आ रही है। यह भी एक कारण हो सकता है। पहले गले में सूजन आना, सिर में खून के थक्के जमना, धीरे-धीरे खून का गाढ़ा होना। रिसर्च के अनुसार यह प्रवृत्ति के कारण होता है। हालांकि बीमारियां इतनी अधिक है कि मरीज भी नहीं समझ पा रहे हैं।

किस कारण से हो रहा ब्रेन फॉग

लगातार जारी रिसर्च में सामने आया कि कोरोना होने के बाद मरीजों के बॉडी में बहुत सारे परिवर्तन आए है। लेकिन सबसे बड़ा कारण यह रहा कि इलाज के दौरान मरीजों को दिए गए इलेक्ट्रोलाइट और शुगर का कम ज्यादा होना। साथ ही दिमाग तक ठीक से ऑक्सीजन नहीं पहुंचना दूसरा सबसे बड़ा कारण है।

ब्रेन फॉग के लक्षण

कोरोना वायरस से ठीक होने के बाद मरीज के भिन्न-भिन्न अंगों को बहुत हद तक प्रभावित किया गया है। इसमें अब दिमाग भी शामिल हो गया है। जिस पर पोस्ट कोविड इफेक्ट तेजी से और अलग-अलग स्वरूप में नजर आ रहे हैं। ब्रेन फॉग के प्रमुख लक्षण अभी तक जो नजर आ रहे हैं -थकान होना, सिर दर्द, सोने में परेशानी होना, बदन दर्द होना।

लेकिन इस बीमारी से बच सकते हैं

इस बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों को नहीं करना चाहिए जिससे उन्हें सुकून मिलें। मन को अच्छा लगे।किताबें पढ़ें, योग करें, फिल्?में देखें,संगीत सुनें, क्रिएटिविटी कार्य करते रहे, अपने आपको इस तरह की गतिविधियों में व्यस्त रहें यह आपके दिमाग की एक्सरसाइज भी होती रहें।साथ ही इस दौरान किसी प्रकार का नशा नहीं करें। वह आपके लिए घातक साबित हो सकता है।

इन घरेलू नुस्खों की मदद से पाए कमर दर्द से राहत

आजकल ज्यादातर लोगों में कमर दर्द की समस्या बढ़ती जा रही है जिसकी चपेट में बड़ी उम्र के लोग ही नहीं, बल्कि युवा के लोग भी आ रहे है। कमर दर्द के होने का मुख्य कारण बदलती जीवनशैली के साथ ऑफिस में घंटों गलत पॉश्चर बैठे रहना है। यह समस्या अब न केवल उम्र से जुड़ी है बल्कि इससे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी भी तकलीफदेह साबित हो रही है। कमर दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप कई तरह के घरेलू उपचार करते है लेकिन इसका प्रभाव मात्र कुछ समय के लिए ही रहता है। आइए आज हम आपको कुछ घरेलू उपायों के बारे में बता रहे है जिसे अपनाने से जल्दी ही छुटकारा पा सकती है। कमर दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप एक खडाई में सरसो का तेल डालकर उसमें लहसुन की तीन-चार कलियों के साथ अजवाइन को डालकर गर्म कर लें। ठंडा होने पर इस तेल से कमर की मालिश करें। इस उपाय से आपको जल्द ही राहत मिलेगी।

कढ़ाई में दो-तीन चम्मच नमक डालकर इसे अच्छी तरह से गर्म कर लें। अब इस गर्म नमक को किसी सूती कपड़े में बांधकर पोटली बना लें। और इस पोटली से कमर की सिकाई करें काफी जल्द ही आराम मिलने लगेगा। ऑफिस में काम करते समय ज्यादा देर तक एक ही पोजीशन में ना। हर चालीस मिनट में अपनी कुर्सी से उठकर थोड़ी देर टहल लें। कैल्शियम की कम मात्रा से भी हड्डियां कमजोर होने लगती हैं, जो कमर के दर्द का प्रमुख कारण बनती है इसलिए कैल्शियमयुक्त चीजों का सेवन करें। अजवाइन को तवे पर डालकर धीमी आंच पर सेंके और ठंडा होने पर धीरे-धीरे चबाते हुए निगल जाएं। इसके नियमित सेवन से कमर दर्द में लाभ मिलता है।

संक्षिप्त समाचार

सरायपाली सर्व उत्कल समाज द्वारा नुआखाई मिलन समारोह 22 को

सरायपाली (समय दर्शन)। उत्कल समाज की कार्यक्रम जो 22सितम्बर को नयी मंडी प्रांगण मे आयोजित है उसके लिए क्षेत्र के कार्यकर्ताओ मे उत्साहपूर्ण वातावरण है जन जन तक कैसे आमंत्रण पहुचे इसके पिछले दो दिनो से कार्यकर्ता लगे हुए है रूद्रेश्वरी मंदिर की बैठक जोकि उत्तर पुर्व क्षेत्र है मे प्रोजेस्ट प्रधान, रविन्द्र कुमार, जय कुमार बारिक,हेमसागर विशाल,चन्द्रहास पंडा,मनोज दास,अनन्तराम बीसी,अनिल प्रधान, गणेश राम साहु, सुनील विशाल, डा नरेश प्रधान, सुनिल महापात्र, क्षमानिधि साहु, प्रकाश मिश्र, सुनील पाणिग्राही, सुधीर सामंतराय, ब्रजमोहन साहु, प्रेमलाल प्रधान, रूकमण साहु, पंकज साहु, संजय प्रधान, सोभित कुमार षंडगी,उत्तर प्रधान करूणा साहु, अश्विनी प्रधान, आनंद सिग बरिहा, उमाकांत मिश्रा, अमृत बगर्ती, जगदीश बगर्ती,भागीरथी साव, अमित प्रधान, किशोर साहु, राकेश साहु, रोहित साहु, हरिहर साहु, निलमणी प्रधान, विजय प्रधान, पप्पु यादव, गजपति साव, प्रेमराज साहु, ब्रजमोहन बारिक ने इस क्षेत्र पर लोगो आमंत्रित करने की जिम्मेदारी ली ।वही दक्षिण पश्चिम परिक्षेत्र मे आयोजित बैठक जो कि तोरेसिहा मे की गई, जिसमे गिरधारी साहु (गुरूदेव) जी को विशेष जिम्मेदारी दी गई इसमे कार्यक्रम मे तरूण भोई, पदमन प्रधान, सत्यप्रकाश साहु, किशोर रथ, हीरालाल साहु , विजय प्रधान, प्रेमलाल प्रधान, युवराज प्रधान, नेपाल बीसी, सुभाष प्रधान, देवेश बारिक, विजय बारिक, अजय दास, हीरा लाल प्रधान जी इस क्षेत्र मे आमंत्रण की जिम्मेदारी सौपी गई है ग्राम मे सभी समाज को एक ही कार्ड देकर उन समाज के लोगो को आमंत्रित किया गया है प्रथम बार आयोजित इस कार्यक्रम मे भजन गायिका वन्दिता नायक को भी आमंत्रित किया गया है जो अपने मधुर गायन से माताओ बहनो की पसंद बन चुकी है।इस कार्यक्रम का संचालन रविन्द्र पंडा द्वारा किया गया।

अशोक लीलैंड लाइट कमर्शियल व्हीकल्स ने बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में नई डीलरशिप खोली

बिलासपुर : हिंदुजा समूह की प्रमुख भारतीय कंपनी और देश की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता कंपनी अशोक लीलैंड ने बिलासपुर में हल्के वाणिज्यिक वाहनों के लिए अपनी डीलरशिप का उद्घाटन किया। यह छत्तीसगढ़ राज्य में चौथी हल्के वाणिज्यिक वाहन डीलरशिप है। नए चैनल पार्टनर मेसर्स धीर ऑटो एक्सीलेंस के पास 3एस (सेल्स, सर्विस और स्पेयर्स) सुविधा रणनीतिक रूप से बिलासपुर-रायपुर रोड, परसदा, बिलासपुर में स्थित है। यह सुविधा एडवांस उपकरणों, त्वरित सेवा से सुसज्जित है और बेहतर ग्राहक अनुभव सुनिश्चित करने के लिए इसमें परिष्कृत बुनियादी ढांचा है। कंपनी वर्तमान में एलसीवी उत्पादों की एक श्रृंखला पेश करती है - बड़ा दोस्त, दोस्त, पार्टनर और एमआईटीआर। अशोक लीलैंड के एलसीवी बिजनेस प्रमुख श्री विप्लव शाह ने कहा, हम छत्तीसगढ़ में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए उत्साहित हैं। यह क्षेत्र अशोक लीलैंड के लिए हमेशा एक महत्वपूर्ण बाजार रहा है। हम इस क्षेत्र में एक मजबूत पकड़ बनाने पर काम कर रहे हैं, और बिलासपुर में नई डीलरशिप इस क्षेत्र में हमारी उपस्थिति को बढ़ाएगी। हमारी 'दोस्त रेंज' और अब 'बड़ा दोस्त' की जबरदस्त सफलता का श्रेय हमारे उत्पादों की मजबूती और हमारे नेटवर्क की व्यापक पहुंच को दिया जा सकता है। हमारे वाहनों को उनके बेहतर माइलेज, शीर्ष स्तरीय प्रदर्शन और बेजोड़ बिक्री और बिक्री के बाद समर्थन के कारण ग्राहकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। हमें अपनी असाधारण सेवा बनाए रखने पर बहुत गर्व है, हमारे लगभग 70त्न ग्राहक अपनी वारंटी समाप्त होने के बाद भी हमारे डीलर वर्कशॉप में लौट आते हैं। ग्राहक सेवा और संतुष्टि के प्रति हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ बनी हुई है, और हम एक अद्वितीय स्वामित्व अनुभव प्रदान करने में मानक बढ़ाना जारी रखेंगे।'' अशोक लीलैंड के उत्पादों को प्रतिस्पर्धी लागत पर सर्वोत्तम श्रेणी की तकनीक की पेशकश करके भारतीय एलसीवी ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए लॉन्च किया गया है। अब, भारत में चार लाख से अधिक अशोक लीलैंड एलसीवी उपलब्ध हैं। हाल ही में लॉन्च किया गया बड़ा दोस्त बिल्कुल नए मजबूत एलसीवी प्लेटफॉर्म पर बनाया गया पहला उत्पाद है और इसके चार वेरिएंट हैं, द्व2, द्व3+, द्व4 और द्व5। यह 80 एचपी बीएस 6 इंजन से संचालित है जो श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पावर और माइलेज, श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पेलोड और श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ लोड बॉडी लंबाई और लोडिंग स्पेस प्रदान करता है जो ग्राहक को प्रति यात्रा अधिक लाभ कमाने में मदद करता है।

पिथौरा क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ बड़गांव सहित 19 गांव के समाज प्रमुख हो रहे लामबंद

पिथौरा (समय दर्शन)। पंचायत प्रतिनिधियों की महापंचायत बैठका क्षेत्र में लगातार हो रही है ।अनेक जगह अवैध महुआ शराब निर्माण एवं विक्रय से लोगों में बढ़ रही नशाखोरी से खास कर युवा पीढ़ी इसमें सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं । युवाओं में बढ़ रही शराब खोरी के दुष्प्रभाव से लगातार समाज में बढ़ रहे लड़ाई- झगड़ा,वाद- विवाद ,विभिन्न अपराधों से आज क्षेत्र के वासी पीड़ित हैं। नशाखोरी का शिकार हो रहे आज के युवा पीढ़ीयों और सभ्य समाज को बचाने बड़गांव में महाबैठका आयोजित करने जा रहे हैं जिसमें बया चौकी कसडोल क्षेत्र एवं पिथौरा क्षेत्र के लगभग 19 गांव के पंचायत

प्रतिनिधियों विभिन्न समाजों के प्रमुखों की विशाल महाबैठका में अवैध शराब को नियंत्रित कर शराब खोरी के आगोश में बिगड़ते युवा पीढीयों को बचाने के लिए आवश्यक कार्य योजना बनाए जाने की सुगबुगाहट से अवैध शराब निर्माण करने वाले एवं शराब विक्रय कर लगातार समाज में जहर परोस रहे शराब दलालों और कोंचियो की टोली में हड़कंप मची हुई है।

बड़गांव में आयोजित महा बैठका में मुख्य रुप से बड़गांव,जम्हर,ढेबा, ढेबी,अकलतरा,खुसरुपाली,कोकोभांठा, राजाडेरा,छिबर्रा,कोचर्रा,आमगांव,देवगांव, चरौदा, सहित लगभग कुल 19 ग्राम पंचायतों के समाज प्रमुखों पंचायत प्रतिनिधियों सहित सामाजिक जन उपस्थित रहेंगे। मिली जानकारी के अनुसार आसपास के क्षेत्र में अवैध शराब निर्माण एवं विक्रय के नियंत्रण को लेकर महामंथन करने के साथ साथ अवैध शराब निर्माण और विक्रय को नियंत्रित करने रूपरेखा तैयार किया जाएगा। बता दे कि, क्षेत्र में कई दिनों से चर्चित इस महा बैठका का गुंज पिथौरा और बया चौकी क्षेत्र के साथ छत्तीसगढ़ सरकार तक भी गुंजने के आसिर हैं । अब देखना होगा कि, इतनी अधिक संख्या में विभिन्न ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों समाज प्रमुखों की एक साथ संयुक्त रूप से होने वाली इस महा बैठका में अवैध शराब निर्माण और विक्रय पर किस हद तक नियंत्रण करने के लिए नियम बनाए जाते हैं। अवैध शराब निर्माण और विक्रय को नियंत्रित करने में नाकाम हो रहे आबकारी और पुलिस विभाग की कार्यशैली भी इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है ।

एनएमडीसी को वर्ष 2023-2024 के लिए राजभाषा कीर्ति अवॉर्ड से सम्मानित किया गया

नई दिल्ली : एनएमडीसी लिमिटेड, भारत के सबसे बड़े लौह अयस्क उत्पादक और सार्वजनिक क्षेत्र की नवरत्न कंपनी को 'ग' क्षेत्र में स्थित उपक्रमों की श्रेणी में वर्ष 2023-2024 के लिए प्रतिष्ठित 'राजभाषा कीर्ति अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया । यह पुरस्कार राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा नई दिल्ली में आयोजित हिंदी दिवस समारोह 2024 और चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में प्रदान किया गया । राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एनएमडीसी को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया । एनएमडीसी की ओर से श्रीमती जी. प्रियदर्शिनी, मुख्य महाप्रबंधक (कार्मिक एवं प्रशासन) ने श्री नित्यानंद राय, माननीय गृह राज्य मंत्री से यह अवॉर्ड प्राप्त किया । इस अवसर पर राज्यसभा के उप

सभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह और राज्यसभा के सदस्य श्री सुधांशु त्रिवेदी उपस्थिति थे । इस अवसर पर श्री अमिताभ मुखर्जी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार), एनएमडीसी ने कहा कि, यह पुरस्कार एनएमडीसी की हिंदी के प्रयोग एवं प्रोत्साहन के लिए निरंतर प्रतिबद्धता और राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के प्रति इसकी उत्कृष्टता को रेखांकित करता है । हम अपने प्रचालनों में राजभाषा के प्रति अपने प्रयासों में निरंतर प्रगति करने पर गर्व का अनुभव करते हैं । एनएमडीसी ने हिंदी के प्रचार-प्रसार को सदैव सर्वोच्च महत्व दिया है और इसे अनेक राजभाषा पुरस्कार प्राप्त हुए हैं । कंपनी के प्रयासों को इस्पात मंत्रालय ने इस्पात राजभाषा सम्मान तथा हैदराबाद, तेलंगाना के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने इस वर्ग के सर्वोच्च स्तर के राजभाषा अवॉर्ड से सम्मानित किया है ।

इंडियनऑयल ने पेरिस 2024 पैरालंम्पिक में ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए भारतीय पैरा - एथलीटों को सम्मानित किया

नई दिल्ली: इंडियनऑयल ने पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों में भारत के पैरा-एथलीटों के ऐतिहासिक प्रदर्शन को सम्मानित करने के लिए एक भव्य सम्मान-समारोह का आयोजन किया। हाल ही में संपन्न पेरिस पैरालंपिक में, भारत ने 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य सहित 29 पदक हासिल करने का रिकॉर्ड बनाया। यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ पैरालंपिक प्रदर्शन है। देश में पैरालंपिक खेलों के लिए सर्वोच्च निकाय, भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के साथ इंडियनऑयल ने अक्टूबर 2023 से पैरा एथलीटों के दल को सहयोग देकर इन भारतीय पैरा-एथलीटों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह कार्यक्रम युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री माननीया श्रीमती रक्षा निखिल खडसे, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव श्री पंकज जैन, अध्यक्ष एवं निदेशक (विपणन) इंडियनऑयल, श्री वी. सतीश कुमार तथा वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और पीसीआई

नेतृत्व की उपस्थिति में आयोजित किया गया। युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री माननीया श्रीमती रक्षा निखिल खडसे ने इन एथलीटों की सराहना करते हुए कहा, भारत के पैरा एथलीटों ने एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। आप भारत की ताकत और खेल भावना के सच्चे राजदूत हैं। आपके संघर्ष, दृढ़-संकल्प और आपकी विजय ऐसे प्रेरक तत्त्व हैं जो आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे। इसके साथ ही इंडियन ऑयल की इस पहल को रेखांकित करते हुए कहा कि उन्होंने इन एथलीटों के लिए इंडियनऑयल का समर्थन सराहनीय है और यह भारत की खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में कॉर्पोरेट भागीदारी की शक्ति को दर्शाता है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव श्री पंकज जैन ने एथलीटों की प्रशंसा की और घोषणा करते हुए कहा कि इंडियनऑयल ने पैरा-एथलीटों के लिए मासिक छात्रवृत्ति, चिकित्सा बीमा और खेल किट प्रदान करके अपने समर्थन को और बढ़ाएगा। उन्होंने यह भी कहा, हम अपने एथलीटों के चेहरे पर मुस्कान देख सकते हैं, जो हमारे मौजूदा पदकों की संख्या में और इज़ाफ़ा करने के लिए तैयार हैं। न केवल पदक विजेताओं को बल्कि खेलों में भाग लेने वाले हर एथलीट को बधाई।

सीएम विष्णुदेव साय ने की जिला प्रशासन की प्रशंसा

स्वास्थ्य विभाग की चिरायु एवं एनआरसी योजना तथा पीएम आवास शहरी में बेहतर कार्य के लिए दी शाबाशी

दो दिवसीय कलेक्टर एसपी कांफ्रेंस में जिले को मिला प्रोत्साहन

गरियाबंद (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में राजधानी रायपुर में 12 एवं 13 सितंबर को दो दिवसीय कलेक्टर एसपी कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया।मुख्यमंत्री श्री साय ने कॉन्फ्रेंस में जिला प्रशासन द्वारा संचालित कार्यों की समीक्षा की।कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री श्री साय ने कलेक्टर दीपक अग्रवाल के नेतृत्व में जिला प्रशासन गरियाबंद द्वारा किए जा रहे जनहितकारी कार्यों की चर्चा कर जिला प्रशासन की प्रशंसा की।उन्होंने स्वास्थ्य विभाग गरियाबंद द्वारा चिरायु एवं एनआरसी योजना में बेहतर प्रदर्शन तथा नगरीय निकायों द्वारा पीएम आवास शहरी में बेहतर कार्य के लिए जिला प्रशासन को शाबाशी दी। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री अग्रवाल के नेतृत्व में जिले में जनहित कार्य प्राथमिकता से क्रियान्वित किये जा रहे है।साथ ही कलेक्टर श्री अग्रवाल शासकीय कार्यों की लगातार समीक्षा कर आवश्यक निर्देश भी दे रहे है। इस के तहत कार्यों में बेहतर प्रदर्शन दिख रहा है।जिले के नगरीय निकायों में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी अंतर्गत 3 हजार 55 आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है,जो की स्वीकृत कार्यों के 93 प्रतिशत पूर्णता को दर्शाता है।जरूरतमंदों को आवास की मूलभूत सुविधा प्रदान करने में अच्छा काम करने के लिए मुख्यमंत्री श्री साय ने जिला प्रशासन का उत्साहवर्धन किया।इसी प्रकार स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित चिरायु अभियान के तहत स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य जांच एवं इलाज में भी जिले का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा है।जिले में चिरायु योजना तहत 1 लाख 28 हजार से अधिक स्कूली बच्चों का स्वास्थ्य जांच किया जा चुका है।साथ ही परीक्षण उपरांत बीमारी का इलाज एवं आवश्यकतानुसार उच्च संस्था में इलाज के लिए संदर्भित किया जा रहा है।इसी प्रकार जिले में गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों का इलाज करने के लिए पोषण पुनर्वास केंद्र का संचालन किया जा रहा है जिसमें 152 प्रतिशत बेड ऑक्युपेंसी दर दर्ज किया गया है। जोकि प्रदेश में सर्वाधिक है।साथ ही जिले के एनआरसी में 85 प्रतिशत उपचार दर दर्ज किया गया है।दोनो दर राष्ट्रीय औसत से बेहतर है।कुपोषण को दूर करने एनआरसी के तहत किया जा रहे बेहतर कार्य के लिए मुख्यमंत्री श्री साय ने जिला प्रशासन की तारीफ की। साथ ही आगे भी ऐसे बेहतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

अभियंता दिवस पर सर विश्वेश्वरैय्या के कार्य किए गए याद

जल संसाधन विभाग में मनाया गया अभियंता दिवस, इंजीनियस सम्मानित

दुर्ग (समय दर्शन)। सर मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैय्या की 164 वीं जंयती जल संसाधन परिसर में अभियंता दिवस के रुप में मनाया गया। कार्यक्रम में शंकराचार्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन आईपी मिश्रा, जल संसाधन विभाग प्रमुख अभियंता इन्द्रजीत उईके, जल संसाधन विभाग मुख्य अभियंता सतीश कुमार टीकम,सेवानिवृत्त प्रमुख अभियंता जयंत पवार, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता डी.सी. जैन, सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता समीर जार्ज, सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता दिनेश कुमार भगोरिया बतौर अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत विश्वेश्वरय्या के मूर्ति में माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा उनके जीवनी एवं हिन्दुस्तान के विकास में उनके योगदान पर प्रकाश डाला गया। शंकराचार्य ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन आईपी मिश्रा ने वर्तमान समय में इंजीनियरिंग विज्ञान एवं चिकित्सा के क्षेत्र में सम्पूर्ण भारत में विश्व के देशों के अपेक्षा इंजीनियरों, वैज्ञानिकों व चिकित्सों द्वारा किए जा रहे कार्यों पर अपने विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम में इंजी. उबेद देशमुख, इंजी. किशोर शर्मा, इंजी. जीएल साहू, इंजी. एएम झा, इंजी. आरएस नेताम का सम्मान कर उनके कार्यों की सराहना की गई। यह आयोजन जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता सुरेश पाण्डेय के संयोजन में किया गया। इस अवसर पर शिवनाथ मंडल अंतर्गत दुर्ग, राजनांदगांव, बालोद, कबीरधाम, बेमेतरा जिले के समस्त अभियंता, सेवानिवृत्त अभियंता के अलावा विभागीय कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

सरायपाली सेक्टर रुढा आंगनबाड़ी केंद्र दाऊगुड़ी में पोषण माह में वजन त्यौहार का आयोजन संपन्न

सरायपाली (समय दर्शन)। राष्ट्रीय पोषण माह अंतर्गत आज आंगनबाड़ी केन्द्र दाऊगुड़ी,सेक्टर रुढा,परियोजना केन्द्र सराईपाली में राष्ट्रीय पोषण माह अंर्तगत 15 सितम्बर 2024 को वजन त्यौहार का आयोजन गया।

इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास सुपरवाइजर श्रीमती दीक्षा बारीक ने ग्रामवासियों को जानकारी दी कि आंगनबाड़ी केंद्र में पालकगण अपने बच्चों का नियमित वजन अवश्य कराएं और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से जानकारी लें कि बच्चों के वजन स्तर क्या है, क्योंकि बच्चे का स्तर अगर पीला या लाल रंग को दर्शित करता है तो वह कुपोषित रहता है और बच्चा एक बार कुपोषित हो जाए तो वापस रिकवर करने में बहुत समय व देखभाल की जरूरत होगी है। कुपोषण को खत्म करने के लिए ही यह राष्ट्रीय पोषण माह सितंबर में मनाया जा रहा है। सुपरवाइजर व कार्यकर्ता ने आगे ग्रामवासियों को यह भी जानकारी दी कि

आंगनवाड़ी पर हर माह वजन लिया जाता है व बच्चों के वजन का स्तर बताया जाता है इसके साथ-साथ में किशोरी बालिकाओं को रेडी टू ईट का वितरण किया नियमित रूप से नियमानुसार किया जाता है उसके साथ ही एनीमिक महिलाओं का हिमोग्लोबिन टेस्ट भी किया जाता है। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती दीक्षा बारीक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पूर्णिमा नायक, जानकी नायक,मीरा चौहान के साथ साथ बड़ी संख्या में बच्चों के माता-पिता उपस्थित थे।

गर्भवती,शिशुवती महिला,किशोरी बालिका सहित महिलाएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम में बताया गया कि महिला इतनी जागरूक हों कि हीमोग्लोबिन 11 ग्राम या उससे ज्यादा हो तभी वह गर्भधारण करें तो बेहतर है जिससे बच्चा गर्भ में अपना पूर्ण विकास कर सके। पूर्ण गर्भधारण काल में गर्भवती को पौष्टिक पोषण लेना आवश्यक है

इसके लिए गर्भवती को दिन में बार-बार पौष्टिक,संतुलित खाना खाते रहना चाहिए। गर्भधारण काल के दौरान समय-समय पर डॉक्टर से चेकअप करवा कर पौष्टिक गोली आयरन और कैल्सियम,फोलिक एसिड डाक्टर के दिए गए निर्देश अनुसार खानी चाहिए।

आंगनवाड़ी में मिलने वाला पौष्टिक रेडी टू ईट का गर्भवती स्वयं उपयोग करें क्योंकि वह बहुत पौष्टिक होता है।यदि महिला एनीमिक है तो उसका बच्चा भी कमजोर होगा और जब बच्चा कमजोर होगा तो उसका शारीरिक और मानसिक विकास रुक जाएगा।एनीमिक महिला है तो उसको भी कई प्रकार के शारीरिक और मानसिक नुकसान हो सकते हैं। जिसका खामीआजा उसे स्वयं ही भुगतना पड़ता है।इसके पश्चात सेक्टर पर्यवेक्षक दीक्षा बारीक द्वारा कहा गया की छत्तीसगढ़ में 36 प्रकार की भाजियां होती है यदि यही भाजी रोज खाई जाए तो एनीमिया की 70त्न समस्या वैसी ही हल हो जाएगी, साथ ही यदि पौष्टिक व्यंजन आपको लेना है तो इसके लिए महतारी वंदन की राशि सरकार द्वारा प्रतिमाह दिया जाता है, जिसे अपने स्वास्थ्य के लिए उपयोग कर अपने सेहत में सुधार ला सकती है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पूर्णिमा,जानकी, मीरा द्वारा पौष्टिक व्यंजन की प्रदर्शनी लगाई गई.जिसमें यह दर्शाया गया कि इसमें सभी प्रकार के पौष्टीक तत्व होते हैं जो कि हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद हैं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध मौसमी फलों का भी उपयोग करने प्रेरित किया गया.

खबर-खास

भाजपा के सत्ता में आते ही शुरू हो गया भ्रष्टाचार और रिश्वत का खेल-चोवाराम साहू

कवर्धा (समय दर्शन)। प्रदेश सहित कबीरधाम जिले में सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा शासन काल में एक बार फिर से सरकारी महकमों में खुलेआम भ्रष्टाचार का खेल शुरू हो गया है। सरकारी विभागों और संस्थानो में बैठे आधिकारी से लेकर बाबू विकास एवं निर्माण कार्यो के साथ ही आम लोगों से जुड़े सरकारी कामकाजों को निपटाने के नाम पर जमकर चढ़ोत्री की मांग कर रहे हैं। इसकी एक बानगी बीते गुरूवार को उपमुख्यमंत्री के गृह जिले की जनपद पंचायत बोड़ला में देखने को मिला। जहां जनपद पंचायत बोड़ला का एक बाबू सरपंचों से निर्माण कार्यो के एवज में 1 लाख 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हांथो एंटीकरप्शन व्यूरो ने दबोच लिया है। कृषि उपज मण्डी के पूर्व उपाध्यक्ष चोवाराम साहू ने उक्त बातें जारी बयान में कही। श्री साहू ने कहा कि बीते पंद्रह सालों के भाजपा शासनकाल में भी खुलेआम भ्रष्टाचार किया गया था और अब फिर सत्ता में आने के बाद भ्रष्टाचार का खेल शुरू हो गया है। श्री साहू ने आरोप लगाते हुए कहा कि यह सब सत्ताधारी नेताओं के संरक्षण में हो रहा है। नहीं तो किसी बाबू की क्या मजाल कि वह प्रदेश के उपमुख्यमंत्री के गृह जिले के सरपंचों से शासन द्वारा स्वीकृत विकास एवं निर्माण कार्यो के नाम पर इतनी बड़ी रिश्वत की मांग कर सके। पूर्व मण्डी उपाध्यक्ष ने कहा कि ये तो सरपंचो ने अच्छा किया कि इस रिश्वतखोरी की शिकायत सीधे एंटी करप्शन ब्यूरो से कर दी और भ्रष्ट बाबू पर कार्यवाही हो गई। अगर यह शिकायत शासन-प्रशासन स्तर पर या किसी औहदेदार भाजपा नेता से की गई होती तो भ्रष्टाचारी बाबू से ही रिश्वत लेकर मामला रफादफा कर दिया जाता।

ग्रामीण स्तरीय दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता कोसमबुड़ा में संपन्न

गरियाबंद (समय दर्शन)। जूनियर कबड्डी दल एवं समस्त ग्राम वासी कुसुमबड़ा के तत्वाधान में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया,जिसमें 19 वर्ष तक कि युवाओं ने भाग लिया प्रतियोगिता में 32 टीमों ने भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारंभ कृष्ण कुमार ध्रुव जनपद सदस्य,बिंदा बाई सरपंच,भुनेश्वर दास वैष्णव ने किया।आयोजन में प्रथम जय मां भैरवी कबड्डी दल खुड़िया डीही कैप्टन लोकेंद्र नागेश,द्वितीय जय मां शीतला कबड्डी दल पलेमा कैप्टन तिलक राम,तृतीय जय मां दंतेश्वरी कबड्डी दल पाटशिवनी कैप्टन मनोज ध्रुव,चतुर्थ गोंडवाना क्लब बोडराबांधा भूपेंद्र ध्रुव प्रथम पुरस्कार 5000 व शील्ड,द्वितीय 2500 व शील्ड, तृतीय 1500 व शील्ड के साथ चतुर्थ 500 पुरस्कार दिया गया।पुरस्कार वितरण में बिंदाबाई ध्रुव सरपंच ग्राम पंचायत कोसमबुड़ा अगेश्वर ठाकुर उपसरपंच,कोमल सिंह ध्रुव ग्राम पटेल के द्वारा किया गया।कार्यक्रम का कार्य संचालन पंकज ध्रुव,उपाध्यक्ष छन्नू लाल,अध्यक्ष प्रमोद ध्रुव,डोमार मरई,उपाध्यक्ष डोमेश्वर ध्रुव,दुष्यंत ध्रुव, सचिव मोनू यादव,भावेश ध्रुव,गोपी ध्रुव,योगेंद्र ध्रुव, मिलन ध्रुव,विकास ध्रुव, राकेश यादव,मोरज ध्रुव,खमेश ध्रुव,यादराम ध्रुव,हिमेश सोरी,सोहन ध्रुव,समस्त ग्राम वासी का विशेष सहभागिता रहा।

मर्सिडीज़-बेंज ने अपनी दूसरी 'मेड इन इंडिया' बीईवी: ईक्यूएस एसयूवी 580 4मैटिक पेश की; यह भारत में 2 बीईवी का स्थानीय निर्माण करने वाला एकमात्र लग्ज़री ब्रांड है

नईदिल्ली। ईक्यूएस एसयूवी भारत में हमारे इलेक्ट्रिफिकेशन के सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मर्सिडीज़-बेंज की दूसरी स्थानीय स्तर पर निर्मित लग्ज़री बीईवी और इस साल लॉन्च की गई तीसरी लग्ज़री बीईवी है। ईक्यूएस एसयूवी का लोकलाईज़ेशन भारतीय लग्ज़री इलेक्ट्रिक कार बाजार का विकास करने की हमारी गहरी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है। इससे एक हरित और सस्टेनेबल भविष्य की हमारी प्रतिबद्धता को बल मिलता है। ईक्यूएस एसयूवी के साथ हम बीईवी सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत कर रहे हैं और ईक्यूए से लेकर मर्सिडीज़-बेंज मेबैक ईक्यूएस एसयूवी के ग्राहकों की विभिन्न जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। मर्सिडीज़-बेंज भारतीय बाजार के लिए प्रतिबद्ध है। इसने 2024 में अपने निर्माण कार्यों, नए उत्पाद स्टार्ट-अप्स और निर्माण प्रक्रियाओं के डिजिटाईज़ेशन के लिए 200 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश किया है। ईक्यूएस एसयूवी का लोकलाईज़ेशन हमारी स्थानीय क्षमता का प्रदर्शन करता है, जिससे भारतीय ग्राहकों को लाभ और सरकार के 'मेक-इन-इंडिया' का उद्देश्य पूरा करने में सहयोग मिलेगा।

विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से पंडरिया एवं पांडातराई को 5.40 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार आने के बाद से प्रदेश में विकास कार्य तेजी से हो रहें हैं। इसी कड़ी में पंडरिया और पांडातराई शहर के सौन्दर्यीकरण एवं वहां मूलभूत सुविधाओं के विस्तार हेतु वर्षों से चल रही मांग आज पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से पूरी हो रही है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा नगर पालिका परिषद् पंडरिया एवं नगर पंचायत पांडातराई के सौन्दर्यीकरण, मूलभूत सुविधाओं और अधोसंरचना विकास हेतु 5 करोड़ 40 लाख रुपए की स्वीकृति दी है। इसमें नगर पालिका परिसद पंडरिया के सौन्दर्यीकरण, अधोसंरचना, मूलभूत व आवश्यक सुविधाओं के विस्तार हेतु 3 करोड़ रुपए एवं नगर पंचायत पांडातराई हेतु 2 करोड़ 40 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है।

विदित हो कि पंडरिया विधायक भावना द्वारा उप मुख्यमंत्री अरुण साव को पत्र के माध्यम से पंडरिया एवं पांडातराई शहर के विकास व सौन्दर्यीकरण, स्वच्छता, जनता की मूलभूत सुविधाओं और अन्य आवश्यक सुविधाओं के विस्तार हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया था। उनके प्रस्ताव और जनता के हित को देखते हुए नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा आज 5 करोड़ 40 लाख रुपए की राशि को पंडरिया एवं पांडातराई क्षेत्र के विकास हेतु स्वीकृति दी गई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अधोसंरचना मद अंतर्गत विकास कार्यों के लिए राशि की स्वीकृति दी गई है जिसके लिए भावना बोहरा ने पूरे पंडरिया विधानसभा की जनता की ओर से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप

मुख्यमंत्री अरुण साव का आभार व्यक्त किया है।

पंडरिया विधायक भावना ने कहा कि विगत पांच वर्षों में कांग्रेस के कुशासन से त्रस्त होकर प्रदेश की जनता ने भाजपा पर अपना विश्वास जताया वह विश्वास अब क्षेत्र के विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के रूप में जन-जन तक पहुँच रहा है। मैनें हमेशा ही जनसेवा और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता के साथ जनता की सुविधाओं और क्षेत्र की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक जनप्रतिनिधि के रूप में अपने कर्तव्यों को पूरा करने का हमेशा प्रयास किया है। यह जो विकास की सौगात मिली है वह भी जनता के सुझाव से ही मिले हैं, क्षेत्र की जनता से जब भी संवाद होता है तो मैनें हमेशा उनके सुझाव को प्राथमिकता से सुना है और उसपर अमल करने का प्रयास किया है। आज जो यह विकास की सौगात जनता को मिली है उससे क्षेत्रवासियों में भी खुशी स्पष्ट दिखाई दे रही है। कांग्रेस के शासन काल में जहां विकास कार्य ठप हो गया था। वहीं केवल भ्रष्टाचार लगातार बढ़ता रहा। जनता के अधिकारों का हनन किया गया और योजनाएं केवल सरकारी कागजों तक सीमित रहीं। लेकिन आज डबल इंजन की भाजपा सरकार के नेतृत्व में शासकीय योजनाएं जमीनी स्तर पर दिख रहीं हैं, भाजपा की सरकार बनते ही सबसे पहले किसान हित में निर्णय लिया गया, आवास विहीन 8 लाख से अधिक परिवारों के पक्के आवास का सपना पूरा हो रहा है, महतारी वंदन योजना से प्रदेश की महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं, ऐसे कई योजनाएं एवं निर्णय हैं जिनसे आज छत्तीसगढ़ की दशा एवं दिशा को बदलने का काम भाजपा सरकार कर रही है। मैं समस्त पंडरिया विधानसभा के मेरे परिवारजनों को इस विकास कार्यों की सौगात के लिए बधाई देती हूँ।

ग्रामोदय ग्राम समिति ने राष्ट्रीय पोषण माह में मनाया फूड फेस्टिवल

कवर्धा (समय दर्शन)। विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय एवं ग्रामोदय ग्राम विकास समिति के साझा पहल से 12 सितंबर को बैगा बसाहट ग्राम छिरहापारा में फूड फेस्टिवल राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन किया गया। इस दौरान स्थानीय स्तर पर मिलने वाले पौष्टिक भोजन, सब्जी, भाजी, कंदमूल, फल फूल, अनाज, दलहन, तिलहन का उपयोग विविधता पूर्ण भोजन के रूप में करने किया गया।

बैगा समूहों के साथ उनके स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता एवं खानपान में पौष्टिकता के साथ विविधता को समावेश करने के लिए जागरूकता एवं व्यवहार परिवर्तन हेतु फूड फेस्टिवल आयोजित किया गया। समुदाय द्वारा मिलेट कोदो, कुटकी, रागी की खेती को बढ़ावा देने, अपने खानपान में शामिल करने एवं गुणवत्तायुक्त भोजन को बढ़ावा देने संकल्प लिया गया। फूड फेस्टिवल में पूरे गाँव के द्वारा विविधताओं से परिपूर्ण भोजन, पकवान एवं सब्जी सामूहिक रूप से बनाया गया एवं स्वाद आनंद भी प्राप्त किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से जैविक देशी बाड़ी से प्राप्त कद्दु, चेंच भाजी, चरोटा भाजी, करील, खीरा, मक्का, रताल कंद प्रमुख रूप से पकाया गया। समुदाय के लोगों द्वारा राष्ट्रीय पोषण माह में गर्भवती माताओं, शिशुवती माताओं, किशोरी बालिकाओं, 6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने निर्णय लिया गया। गर्म पका भोजन, शुद्ध पेयजल एवं साफसफाई का विशेष निगरानी करने पर भी विचार किया गया।

कार्यकारी निदेशक चंद्रकांत यादव ने बताया कि फूड फेस्टिवल में पूरे गाँव के महिला, पुरुष एवं बच्चों ने सहभागिता निभाया। फूड फेस्टिवल को सफल बनाने के लिए ग्रामोदय के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। जिसमें श्री यादव के साथ श्रीमती सरिता साहू, श्रीमती कली बाई बैगा, श्रीमती निशा यादव, श्रीमती अन्नपूर्णा यादव, सुश्री मालती गर्ग, सुश्री आराधना बंजारे, दीपक कुमार, विवेक कुमार, कोमल सिंह धारवैया, गणेश धुर्वे, किशन साहू एवं का विशेष योगदान रहा।

महिला कांग्रेस के तीज मिलन समारोह में पहुंचे भूपेश बघेल

कवर्धा (समय दर्शन)। महिला कांग्रेस द्वारा आयोजित तीज मिलन समारोह में पूर्व मुखमंत्री भूपेश बघेल भी शामिल हुए। बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने फूल माला से श्री बघेल का आत्मीय स्वागत किया। इस स्वागत से श्री बघेल अभिभूत हो गए।

चूंकि यह कार्यक्रम महिलाओं द्वारा और पूर्ण रूप से महिलाओं पर थी इसलिए मंच में केवल महिलाओ को स्थान दिलवाया और अपने साथ बैठाया। यहाँ तक मंच संचालन के लिए भी ज़िलाध्यक्ष सीमा अनंत को कहा गया।

कार्यक्रम की शुरूवात मुख्य अतिथि द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी व भगवान शिव पार्वती की पूजा अर्चना के साथ किया गया। इसके बाद अध्यक्ष महिला कांग्रेस के पदाधिकारियों के द्वारा पुष्प गुच्छ द्वारा स्वागत किया गया। स्वागत भाषण श्रीमती अनंत ने दिया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से ज़िलाध्यक्ष सीमा अनंत कांग्रेस ज़िलाध्यक्ष होरी साहू पूर्व विधायक द्वय श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर श्रीमती ममता चंद्राकर शहर ,पुष्पा साहू उपाध्यक्ष जिला पंचायत मीना चंद्रवंशी, सावित्री साहू, लीला धनुक द्वेय नगर पंचायत अध्यक्ष अध्यक्ष, वर्षा ठाकुर शहर अध्यक्ष, नीलू चंद्रवंशी, आनंद सिंह, पारस बागनी, शिव कुमार चंद्रवंधी श्रीमती ताजिंदर कौर नारायणी टोंडर, ममता शर्मा, पदमिनी तिवारी, तारिणी ठाकुर ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती शारदा चन्द्रवंशी ,अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती गोयल ,अध्यक्ष श्रीमती शारदा सोनवानी अध्यक्ष श्रीमती लता सेन अध्यक्ष अध्यक्ष श्रीमती छवि ध्रुव अध्यक्ष रेंगाखर जंगल श्रीमती अनिता कश्यप अध्यक्ष श्रीमती कल्याणी कौशिक श्रीमती लीला वर्मा आदि बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता बहनें उपस्थित थीं।

कलेक्टर श्री अग्रवाल के तत्पर पहल के फलस्वरूप ग्रामीण हुए बंधक मुक्त

आमामोरा के चार श्रमिकों एवं एक बालिका उड़ीसा से बंधक अवमुक्त होकर पहुंचे घर

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल की तत्परता एवं संवेदनशीलता से वनांचल क्षेत्र के ग्रामीण ओड़िशा से बंधक मुक्त होकर घर आ गए है। कलेक्टर ने ओडिशा में जिले के बंधक श्रमिकों को छुड़ाने एवं सकुशल गृह ग्राम लाने संयुक्त टीम बनाने के के निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निर्देशानुसार संयुक्त टीम ने तत्परता से कार्य करते हुए सभी श्रमिको एवं एक बालिका को सकुशल घर वापस ला लिया है।दरअसल ग्राम आमामोरा के ग्रामीणों ने श्रमिकों के परिजनों के माध्यम से कलेक्टर श्री अग्रवाल को आवेदन प्रस्तुत कर ओड़िशा में बंधक श्रमिकों को अवमुक्त किए जाने हेतु निवेदन किया था। ग्रामीणों ने आमामोरा के चार श्रमिक एवं एक बालिका को ग्राम-ढोल मांदर,थाना-तुरेकेला,जिला बलांगीर ओडिशा में ठेकेदार चंपू सरदार के द्वारा मजदूरी कराने के नाम पर बंधक बनाकर रखने की जानकारी दी।जिसके परिपेक्ष्य में कलेक्टर श्री अग्रवाल के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में बंधक श्रमिक को छुड़ाने एवं वापस सकुशल

लाने संयुक्त टीम का गठन किया गया।

श्रमिकों के परिजनों द्वारा प्रस्तुत किये गये आवेदन में उल्लेखित जानकारी के आधार पर बंधक श्रमिकों को अवमुक्त करने के लिए गठित संयुक्त टीम उड़ीसा ग्राम ढोलमांदल के लिए रवाना हुई।संयुक्त टीम जिला बलांगीर ओडिशा पहुंचते ही जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक जिला बलांगीर से समक्ष मुलाकात एवं चर्चा कर बंधक श्रमिकों के संबंध में जानकारी दिया गया।जिसके पश्चात जिला प्रशासन,बलांगीर के द्वारा बंधक श्रमिकों को अवमुक्त करने के लिए वहां की स्थानीय टीम गठन किया गया। जिस पर जिला गरियाबंद एवं जिला बलांगीर ओडिशा के टीम द्वारा संयुक्त रूप से ग्राम ढोलमांदल, थाना तुरेकेला जिला-बलांगीर में ठेकेदार चंपू सरदार के घर जाकर बंधक श्रमिकों का रेस्क्यू किया गया, जिसमें ग्राम पंचायत आमामोरा के चार श्रमिक रामकुमार भुजिया,फागनी भुजिया,बनमली भुजिया,जयमनी भुजिया एवं बालिका कुमारी कमला भुजिया को पाया गया,जिन्हें थाना तुरेकेला ओडिशा लाया गया,तत्पश्चात् स्थानीय प्रशासन तहसीलदार तुरेकेला एवं श्रम विभाग जिला बलांगीर के द्वारा उक्त श्रमिकों हेतु विमुक्ति प्रमाण पत्र जारी करते हुए जिला गरियाबंद के संयुक्त टीम को सुपुर्द किया गया।जिला-गरियाबंद के संयुक्त टीम में तारेंद्र ठाकुर नायब तहसीलदार,ज्ञानेश्वर सिंह गंगवाल,उप निरीक्षक,राजकुमार सिद्धार्थ एवं धनेश्वरी साहू आरक्षक, गोपाल कंवर सामाजिक कार्यकर्ता,पूर्णानंद साहू एवं मनीष कुमार बंजारे श्रम कल्याण निरीक्षक,निकेश कुमार सिन्हा के द्वारा उक्त श्रमिकों को सकुशल एवं सुरक्षित जिला गरियाबंद मुख्यालय वापस लाया गया।

ग्राम पेण्ड्रीतराई में श्री अखण्ड रामधुनी प्रतियोगिता आयोजित

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले के विकासखण्ड स. लोहारा के ग्राम पेण्ड्रीतराई में समस्य ग्रामवासियों द्वारा भव्य श्री अखण्ड रामधुनी प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। प्रतियोगिता में अंचल की कई मण्डलियों ने भाग लेकर अपनी शानदार प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का आनंद लेने ग्राम पेण्ड्रीतराई सहित आसपास के ग्रामों से बड़ी संख्या में ग्रामीण भी पहुंचे थे।

प्रतियोगिता का समापन व पुरस्कार वितरण समारोह में कवर्धा के पूर्व मण्डी अध्यक्ष चोवाराम साहू बतौर अतिथि उपस्थित थे। श्री साहू ने यहां ग्रामीणों के साथ बैठकर राम नाम संकीर्तन भी किया। श्री साहू ने कहा कि रामधुनी एक पारंपरिक भक्ति संगीत है जो भगवान राम की स्तुति में गाया जाता है। यह एक प्रकार का भजन है जो भक्तों को भगवान के करीब लाने में माध्यम है। कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्री साहू द्वारा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मण्डली को क्रमश: 10001 रूपए, 8001 रूपए, 6001 रूपए, 4001 रूपए, 2101 रूपए, 1501 रूपए, 1101 रूपए, तथा 1001 रूपए की नगद राशि देकर पुरस्कृत किया। इस अवसर पर लीला धनुक वर्मा, मंजू शरद बागली, भागवत साहू, नीलकंठ सरपंच, आसाराम साहू, नरेश साहू, संतोष साहू, लोकेश साहू, जित्तू साहू, धनेश साहू, हेमंत साहू, नारायण साहू, मुकेश साहू, बलेन्द्र पटेल सहित आयोजक व बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

धुमधाम से सम्पन्न जश्ने ईद मिलादुन्नबी

गरियाबंद (समय दर्शन)। मुस्लिम भाईयों ने आज जश्ने-ईद-मिलादुन्नबी का पर्व शांति पूर्वक जुलूस निकालकर मनाया।मुस्लिम समाज के प्रमुख हजरत मोहम्मद साहब के जन्मदिन को गरियाबंद वासियों ने यादगार बना दिया मुस्लिम भाइयों ने एक विशाल जलसा निकालकर नात शरीफ पढ़ते हुए खुशियों का इजहार किया।इस दौरान अन्य सभी समाज के कई वरिष्ठ जन गले मिलकर मुस्लिम भाइयों को ईद मिलादुन्नबी की बधाई देते नजर आए विशेषकर तिरंगा चौक में बधाई देने वालों का तांता लगा रहा,साथ ही नगर पालिका द्वारा शरबत व पीने की पानी देकर जुलूस का स्वागत किए।दरअसल,ईद-मिलादुन्नबी पैगम्बर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैही वसल्लम साहब के जन्मदिन का त्यौहार है जिसे मुस्लिम भाई बड़े दिन के रूप मनाते है।मुस्लिम भाई अपनी दुकानें बंद रख मस्जिद से जलसे के रूप में शामिल हो नगर भ्रमण कर पुनर:मस्जिद पहुंच दरूद फातियां पढ़ मोहम्मद साहब के सदके से अपने रिश्तेदार और अन्य मरहुमों को जन्नत नसीब करने के लिए दुआ की।जलसे के मध्य नगर

के मुस्लिम भाइयों का कहना है कि हम हमारे पैगम्बर साहब को मानने वाले सच्चे मुसलमान है और जिस अकीदत व नियत से हम उनको मानते है उसी नियत से वे हमारे उपर करम भी करते है उन्होंने इस अवसर पर कहा हम खुशनसीब है जो हिन्दुस्तान में रहते है यहां के तर्ज जमुहूरियत में हर धर्म और वर्ग के लोगों को अपना धर्म मानने और अपने बाते रखने का हक है।हम अल्ला से दुआ करते है कि हिन्दुस्तान में अमन चैन,सुख-शांति बना रहे और हम भी सूख-शांति से रहे।

बीते 10 दिनों से रजा ग्रूप गरियाबंद(अध्यक्ष)-अँवारुल खान (उपाध्यक्ष-)आफ्ताब वरसी (कोसा अध्यक्ष)-सोहैल मेमन (सचिव)-अक्रम्म खान एल,हाजी अलारख भाई रिज़वान भाई,अब्दुल काय्यूम भाई,यासीन रजा,गफ्फु मेमन,आबिद धेबर,हाफ़िज़ जाफ़र साहब,अहसन मेमन, फ़ैज़ मेमन,बँटी वारसी,सिराज खान,फ़रदीन खान आरिश मेमन,अफ़ज़ल मेमन,शफ़ीक़ खान,आसिफ़ कुरेसी, नादिर खान,जूनेद खान,हसनेंन खान,वारिस वरसी सहित लगभग 40 युवक दिन-रात ईद-मिलादुन्नबी की तैयारियों में जुटे नगर को काफी सून्दर ढंग से सजाया गया।

आज ईद-मिलादुन्नबी के अवसर पर नगर के प्रमुख व्यापारिक मार्ग को झण्डे,बैनर और जगमग रौशनियों वाले झालरों से सजाया गया था।वहीं गरियाबंद की मस्जिद और जमात खाना को आकर्षक झालारों से रोशन किया गया,बीती रात को मस्जिद में मिलाद का आयोजन किया गया,जिसमें मौलाना मोहम्मद फैयाज साहब ने पैगम्बर हजरत मोहम्मद सल्लल्लहो अलैही वसल्लम साहब के बारे में लोगों को बताया।आज बड़े दिन के अवसर पर सुबह से ही मुस्लिम भाई तैयार होकर मस्जिद में जुटने लगे 9 बजे तक 1 हजार से अधिक मुस्लिम भाई आगे नात शरीफ पढ़ने वाले हजरत तथा मौलाना साहब के साथ यह कारवा 10 गाड़ियों के साथ बाजार से होते बस स्टैण्ड से शारदा चैक,राईसमिल होते आजाद चैक तहसील कार्यालय से होते प्रमुख मार्ग से पुराना वन नाका से तिरंगा चौक होते वापस मस्जिद पहुंचेपश्चात मस्जिद पहुंचने पर फातिया दरूद अता किया कर दोपहर बाद मुस्लिम भाइयों ने आम लंगर का आयोजन किया था।जलसे के दौरान हिंदू समाज के गणमान्य नागरिकों ने भी मुस्लिम भाइयों से गले मिलकर बधाई दी,वही मुस्लिम भाई भी लगातार उन्हें आमंत्रित करते दिखे।

जलसा निकलने पर बाजार चैक,बस स्टैण्ड,शारदा चैक, आजाद चैक,तहसील कार्यालय,पुराना वन नाका,तिरंगा चैंक व्यावसायिक मार्ग पर विभिन्न वर्ग व समुदाय के लोगों ने स्वल्पाहार,ठण्डा,पेयजल की जगह-जगह व्यवस्था किया गया था।इस जलसे में नात पढ़ने के लिए विशेष इंतजाम रखे गए थे,इस अवसर पर जलसे के मध्य एक तोप गाड़ी भी रखी हुई थी जो हर मिनट पर फुलों की पंखुड़ियां अकीदत मंद लोगों पर न्यौछावर कर रही थी।ईद मिलादुन्नबी के जुलूस के चलते नगर में यातायात और शांति व्यवस्था के लिए जुलूस के साथ नगर के सभी और पुलिस के जवान तैनात दिखे।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी अदब व एहताराम के साथ मनाया गया

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। किरंदुल सुन्नी मदीना मस्जिद में जश्ने ईद मिलादुन्नबी अदब व एहताराम के साथ मनाया गया। इस मुबारक मौके पर मुस्लिम समुदाय के द्वारा जुलूस ए मोहम्मदी निकला गया इस दौरान समस्त शहर का भ्रमण कर जुलूस ए मोहम्मदी मस्जिद पहुंची और परचम कुशाई की रस्में अदा की गई और मुल्क में अमन चैन की दुआ की गई। बता दे जुलूस के दौरान जगह-जगह नाश्ते का प्रबंध किया गया का सभी ने एक दूसरे को ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद पेश की। इस दौरान सुन्नी मदीना मस्जिद के मौलाना इकबाल रजवी कारी अब्दुल गफूर हबीबी

अध्यक्ष जमील खान सचिव शेख नजमुल कोसा अध्यक्ष आदिल खान महा सचिव अनवर हुसैन सह सचिव फारूक राजा सह कोषा अध्यक्ष अहमद अली ने सभी को मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी।

बता दें पैगंबर ए इस्लाम का जन्मदिवस, जिसे ईद मिलादुन्नबी या बर्थडे ऑफ प्रोफेट कहा जाता है, मुसलमानों के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह त्योहार पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जो इस्लाम के संस्थापक और अल्लाह के आखिरी पैगंबर माने जाते हैं।

इस त्योहार को मनाने के कारण इस प्रकार हैं: पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्म की याद में: यह त्योहार पैगंबर मोहम्मद साहब के जन्म की याद में मनाया जाता है, जो इस्लाम के संस्थापक और अल्लाह के आखिरी पैगंबर माने जाते हैं। एकता और भाईचारा: इस त्योहार पर मुसलमान एकता और भाईचारे का प्रदर्शन करते हैं और समुदाय के बीच सौहार्द और शांति को बढ़ावा देते हैं।

धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम: इस त्योहार पर विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिनमें नात, और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होते हैं। ईद मिलादुन्नबी को मनाने का तरीका विभिन्न देशों और समुदायों में अलग-अलग हो सकता है, लेकिन इसका मुख्य उद्देश्य पैगंबर मोहम्मद साहब की शिक्षाओं को याद करना और अल्लाह की इबादत करना है।

संक्षिप्त-खबर

महिला बाल विकास विभाग द्वारा बसना वार्ड क्र-14 आंगनबाड़ी केन्द्र में वजन त्यौहार मनाया गया

बसना (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के दिशानिर्देशन मे महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी चन्द्रहास नाग के मार्ग दर्शन में दिनांक 12 सितम्बर से 23 सितम्बर 2024 तक आंगनबाड़ी केंद्रों में वजन त्यौहार का आयोजन किया जा रहा है। इस हेतु बसना विकासखंड में कुल 86 क्लस्टर बनाया गया है। जिसमे तिथिअनुसार वजन त्योहार का आयोजन सतत रूप से विकासखण्ड के विभिन्न आंगनबाड़ी केन्द्रों में मनाया जा रहा है। इस दौरान बसना विकासखंड में 0 से 6 वर्ष के कुल 16673 बच्चों का वजन लेकर पोषन स्तर निकाला जा रहा है। सभी केन्द्रों में परियोजना अधिकारी चन्द्रहास नाग द्वारा सतत निरीक्षण किया जा रहा है। इस तारतम्य में नगर पंचायत बसना के वार्ड क्रमांक-14 आंगनबाड़ी केन्द्र में स्थानीय पार्षद श्रीमती अमरीन इरफान गीगानी इल्लू की आतिथ्य में वजन त्यौहार मनाया गया। जिसमें अनुविभागिय अधिकारी बसना(स्थरू),महिला बाल विकास अधिकारी चन्द्रहास नाग ,सुपरवाईजर अपर्णा कूजूर,वार्ड पार्षद श्रीमती अमरीन इरफान गिगानी इल्लू,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पुष्पा रौतिया,नाज खान,वर्षा दुबे,सहायिका रूकमणी रौतिया एवं मोहल्ले वासी सहित बच्चों के माता पिता उपस्थित थे।

जनहित में कान फोडू डीजे, धुमाल के बिना झांकी निकालकर नई परंपरा की शुरुआत करें :- योगेश अग्रवाल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। विसर्जन झांकियों सहित विभिन्न जुलूसों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में बजाये जाने वाले जानलेवा म्यूजिक सिस्टम पर नियंत्रण करने के लिये उच्च न्यायालय व पर्यावरण मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का सूचना के अधिकार अधिनियम के स्टेट रिसोर्स पर्सन योगेश अग्रवाल ने स्वागत किया है। विभिन्न समितियों सहित सभी नागरिकों से श्री अग्रवाल ने अपील की है कि खुशी और उत्साह को सार्वजनिक रूप से व्यक्त करने के लिये संगीत के नाम पर भयानक शोर पैदा करने वाले जानलेवा और भड़काऊ म्यूजिक सिस्टम से आम आदमी को राहत देने वाले न्यायालीन आदेशों का पालन करके हम सभी अपनी ही बस्ती, गांव और शहर से सुकून देने वाली एक नई परंपरा की शुरुआत करें। उन्होंने आगे कहा कि यह तभी संभव है जब देश की बड़ी आबादी की भावनाओं और स्वास्थ के मुद्दे को सर्वोपरि रखकर हम सभी विचार करेंगे।

गुण्डे-बदमाशों की पुलिस ने लगाई क्लास

दुर्ग (समय दर्शन)। आगामी त्यौहारी सीजन को दृष्टिगत रखते हुये अपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाए जाने, गुण्डे बदमाशों पर पर्याप्त नियंत्रण बनाये रखने हेतु श्री जितेन्द्र शुक्ला, पुलिस अधीक्षक, जिला दुर्ग के निर्देशन में दुर्ग-भिलाई शहर के समस्त थाना/चौकी क्षेत्र के निगरानी एवं गुण्डा बदमाशों को पुलिस कण्ट्रोल रूम, सेक्टर-6 भिलाई में उपस्थित कराया गया। उपस्थित निगरानी एवं गुण्डा बदमाशों को सख्त निर्देश दिये गये कि किसी भी स्थिति में भविष्य में अपराधिक घटनाएं घटित न करें, शिकायतों से दूर रहे, अपने आचरण पर पर्याप्त सुधार लाए । इसके उपरांत भी यदि किसी भी निगरानी एवं गुण्डा बदमाश के विरूद्ध कोई भी शिकायत या अपराध की जानकारी प्राप्त होती है, तो उसके विरूद्ध नये कानूनों के तहत विभिन्न धाराओं में ठोस कानूनी कार्यवाही की जाएगी। उपस्थित बदमाशों व्दारा अपराध से दूर रहने हेतु आश्वस्त किया गया। इस दौरान सुखनंदन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहर, अभिषेक झा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, शहर, सत्य प्रकाश तिवारी, नगर पुलिस अधीक्षक, भिलाई नगर, विजय यादव, निरीक्षक थाना प्रभारी, दुर्ग, प्रशांत मिश्रा, निरीक्षक थाना प्रभारी भिलाई नगर, आनंद शुक्ला, निरीक्षक थाना प्रभारी, नेवई के साथ ही 125 से ज्यादा गुण्डा एवं निगरानी बदमाश उपस्थित थे।

निधन : बलदाऊ यादव

पाटन। ग्राम छाटा निवासी बलदाऊ प्रसाद यादव 53 साल का सोमवार को इलाज के दौरान निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्ति धाम में किया गया। वे नोहर यादव के पुत्र, पत्रकार बलराम यादव बड़े भाई, कविता, लक्की, मोंटू , किरण यादव के पिता तथा एमीन यादव के पति थे।

साय सरकार में विघ्नहर्ता के उल्लास में कर्मी-भूपेश बघेल

पाटन (समय दर्शन)। ग्राम उमरपोटी(गातापार) में नव युवा क्रीडा मंडल एवं ग्रामवासी द्वारा कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल थे।अध्यक्षता अशोक साहू उपाध्यक्ष ज़िप दुर्ग ने की।

मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री श्री बघेल ने विघ्नहर्ता श्रीगणेश जी को नमन करते हुए छत्तीसगढ़ में हमने 5 साल में किसान,महिलाएं,युवा,बच्चे,आदिवासी का हित करते हुए उनके विघ्नों को हरने का कार्य किया।युवा,बच्चे,सियान हमारी खेल संस्कृति,परंपरा की ओर आकर्षित हुए।कबड्डी खेल से तन मन और बुद्धि का सृजनात्मक विकास होता है।

विष्णु सरकार में आज हर तरफ निराशा और चिंता का वातावरण बन गया है,चोरी,डकैती,मारपीट, मर्डर,बलात्कार की घटनाएं आम बात हो गई है,नक्सली आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है।हमारी धार्मिक आस्था में लकीर खींची जा रही है।युवाओं में श्री गणेश के प्रति उत्साह को रोकने का प्रयास जारी है।राम वनपथ गमन को विकसित करने का कार्य को रोका गया है।आम आदमी महंगाई से त्रस्त है।

उन्होंने ग्रामवासियों को धन्यवाद देते हुए आप सभी का आशीर्वाद सदा मिलता रहे।श्री गणेशजी से आप सभी की सुख,समृद्धि,शांति और स्वस्थ जीवन की मंगलकामना करता हूं।

ज़िप उपाध्यक्ष अशोक साहू ने शहीद डोमेश्वर साहू को नमन करते हुए ग्राम उमरपोटी में हुए करोड़ों रुपए के विकास कार्यों में उमरपोटी जलाशय 2 करोड़,सीसी रोड़ निर्माण 30लाख,साहू समाज भवन में 15लाख,आदिवासी समाज भवन 10लाख,कला मंच,आंगनबाड़ी केंद्रों का संधारण कार्य,स्कूल मरम्मत कार्य,चौड़ी सड़क निर्माण के लिए पूर्व मुख्यमंत्री श्री बघेल का धन्यवाद एवं आभार प्रेषित किए।

विशेष अतिथि राजेश ठाकुर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस,रूपेंद्र शुक्ला महामंत्री,भेष आठे जोन प्रभारी,भिरेंद्र साहू,सरपंच होरी लाल साहू,रेवा साहू,,चंद्रभान साहू मंचासीन थे।

इस अवसर पर कन्हैया लाल ठाकुर,प्रमोद यादव,आजू राम साहू,लक्ष्मीनारायण नेताम,रोहित साहू,थानसिंग साहू,फुलेश्वर साहू,चरण साहू,देवनारायण साहू,गया राम साहू, चोवा राम ठाकुर, सुखु राम ठाकुर, कमलेश्वर साहू, लक्ष्मीनारायण गंजीर, रोमलाल साहू, अरुण साहू, श्यामलाल विश्वकर्मा, सुशीला साहू, डोमिन ठाकुर, कुंदन, धनराज, हितेश, टूपेंद्र, दुलेश्वर, देवेंद्र, धनेंद्र, मुकेश सेन, छन्नुलाल, लक्ष्मीकांत, खोमेंद्र, चित्रगुप्त, आगेंद्र, खिलावन, सुनील, नवीन साहू, हर्ष वैभव, जीतेश, उमाशंकर, खेमेंद्र खिलाड़ी सहित ग्रामीणजन उपस्थित थे।

विकासखण्ड बसना के शिक्षकों द्वारा विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु रूद्राभिषेक एवं हवन किया गया

बसना(समय दर्शन)। बसना विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल के स्वास्थ्य लाभ हेतु छत्तीसगढ़ शैक्षिक संकुल समन्वयक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष पूर्णानंद मिश्रा सहित शिक्षक-शिक्षिकाओं, अर्चक पुरोहित करुणाकर दास द्वारा जनपद पंचायत परिसर बसना स्लित शिव मंदिर में रूद्राभिषेक एवं हवन किया गया।

बसना विधायक को कुछ दिन पहले हृदयाघात आने के कारण श्री बालाजी हास्पिटल रायपुर में भर्ती हुए हैं। बसना विकास खंड के शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा बसना के जनप्रिय लोकप्रिय,शिक्षक हित ,छात्र हित,शिक्षा विभाग की हमेशा चिंता करने वाले,समाजसेवी,गरीबों के हित में सदैव कार्य करने वाले, जरुरतमंदो को सहायता देने वाले जननेता विधायक डॉ.सम्पत अग्रवाल के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु शिक्षकों द्वारा भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया गया।विदित हो कि उनके हृदयाघात की खबर लगते ही बसना विकासखंड के शिक्षको में चिंता व्याप्त हो गई,तत्काल शिक्षकों का एक प्रतिनिधिमंडल बालाजी हॉस्पिटल जाकर उनका कुशल क्षेम जाना,शिक्षकों को हॉस्पिटल में देखकर श्री अग्रवाल के चेहरे पर अनायास मुस्कान आ गई,उन्होंने कहा कि मेरे साथ यदि विद्वान शिक्षकों की प्रार्थना है तो में जल्द ही स्वस्थ होकर लौटूंगा,साथ ही प्रतिनिधिमंडल उनके सुपुत्र सुमित अग्रवाल से मिलकर भी उनका मनोबल बढ़ाया,पश्चात प्रार्थना के लिए आयोजित आज के हवन यज्ञ के कार्यक्रम के अवसर पर छत्तीसगढ़ शैक्षिक संकुल समन्वयक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष पूर्णानंद मिश्रा,छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन बसना के पूर्व अध्यक्ष अनिल सिंह साव,ब्लाक अध्यक्ष गजेंद्र नायक, सहसचिव व छ.ग.नवोदय क्रांति प्रमुख प्रेमचन्द साव,जिला सलाहकार अरुण प्रधान,विकास खंड सलाहकार हीराधर साव,विवेकानंद दास,श्रीमती धर्मशिला दास,संयुक्त शिक्षक संघ के विकास खंड अध्यक्ष नीलांबर नायक,समन्वयक संघ के सचिव सुरेश नंद,अजय जायसवाल,संतराम बंजारा ,चक्रधर पटेल,छतराम जायसवाल, रामकुमार मैत्री,धनीराम नंद सहित शिक्षक पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

जिला स्तरीय तीज मिलन समारोह का आयोजन

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला निषाद समाज दुर्ग महिला प्रकोष्ठ के संयोजन में रविवार को जिला स्तरीय तीज मिलन समारोह का आयोजन विवेकानंद हाल दुर्ग में आयोजित की गई जिला निषाद समाज द्वारा समाजिक एकता और छत्तीसगढ़ी संस्कृति,कला खान-पान को बढ़ावा देने के लिए अनेक आयोजन किया जाता है निषाद समाज की 3 हजार से अधिक की संख्या में उपस्थित महिलाओं द्वारा हरे रंग की साड़ी की वेशभूषा के साथ तीज मिलन समारोह में कुर्सी, दौड़, फुगड़ी, रंगोली, व्यंजन, की बगिया तीज क्रीन समूह नृत्य नाट्य प्रहसन में प्रातिभागी बनकर अपनी एकता और सांस्कृतिक कला से सामाजिक कुरीतियों को दूर करते हुए समाज में रचनात्मक कार्यों को बढ़ावा देने शानदार आयोजन किए कार्यक्रम की शुरुआत निषाद समाज के आराध्य देव भगवान श्री राम जी एवं भक्त गुहा निषाद राज जी शैल चित्र पर मलप्पन आरती पूजा के साथ हुई।

तीज मिलन समारोह के मुख्य अतिथि दुर्ग शहर विधायक श्री गजेंद्र यादव जी विशेष अतिथि दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चंद्राकर सामिल हुई वहीं संबोधित करते हुए तीज मिलन समारोह में बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति के लिए जिला निषाद समाज को प्रशंसा करते हुए जिला अध्यक्ष डॉ घनश्याम निषाद द्वारा जिला निषाद समाज के सभी महिलाओं को समाज की मुख्य धारा में जोड़कर उनके प्रतिभा को निखारने का एक मंच प्रदान किया है।

विशेष अतिथि श्रीमती सुशीला निषाद महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष ने समाज में महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए व्यवसाय करना एक महत्वपूर्ण कदम है। श्रीमती संतोषी निषाद जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ ने सामाजिक महिलाओं को व्यवसाय करने पर समाज में महिलाओं का सशक्तीकरण एक महत्वपूर्ण विषय है।

श्रीमती मंजू वोरा ने समाज के महिलाओं को व्यवसाय करने से महिलाएं न केवल आर्थिक रूप से सशक्त होती हैं, बल्कि वे समाज में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। होम-कुक्ड भोजन स्वादिष्ट और ताजा भोजन तैयार करके बेचें। कार्यक्रम में श्रीमती श्वेता बाकलीवाल ,श्रीमती प्रेमलता निषाद ,श्रीमती रागिनी निषाद, श्रीमती रामप्यारी निषाद,श्रीमती जानकी निषाद ने भी समाज के महिलाओं को संबोधित किया।

कार्यक्रम में तीज क्रीन के लिए 13 परिक्षेत्र की महिलाएं कुर्सी दौड़ में भाग लिया जिसमें सभी परिक्षेत्र से दो-दो प्रतिभागी रहे व ग्राम सुखरी कला शिव कोकडी परिक्षेत्र से श्रीमती भुवनेश्वरी निषाद 2024 तीज मिलन समारोह का तीज क्रीन बनीं द्वितीय तृतीय तीज क्रीन नंदकठ्ठी परिक्षेत्र से श्रीमती भारती निषाद,सुनीत निषाद बनीं फुगड़ी में प्रथम श्रीमती यामिनी निषाद द्वितीय झरियारिन निषाद बनीं रस्साकसी में सभी परिक्षेत्र की महिलाएं भाग ली जिसमें पांच परिक्षेत्र जीत हासिल की।

इस मौके पर बुधारु राम निषाद, खिलावन निषाद, ओमप्रकाश निषाद, देवनाथ निषाद, रामचंद्र निषाद, ईश्वर निषाद, अशोक निषाद, राम सूख निषाद, विष्णु निषाद, वरुण निषाद,भीम सिंह निषाद, नीलकमल निषाद, कौशल निषाद, वीरु निषाद हेमलता निषाद, धनवंती निषाद, केशर निषाद,सुमन निषाद, हेमवती निषाद,सत्यभामा निषाद, चित्र रेखा निषाद, ललिता निषाद, गीता निषाद, यमुना निषाद, मथुरा निषाद , टोपराम सिंह निषाद, मनहरण निषाद ओमप्रकाश निषाद, राजकुमार निषाद, चिंताराम निषाद, मलेश निषाद, खुमान निषाद, सियाराम निषाद, नारायण निषाद, सोन प्रकाश निषाद,टोप राम निषाद, आदि तहसील परिक्षेत्र पचगैह गांव प्रमुख जिला के पदाधिकारी एवं महिला प्रकोष्ठ पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

श्री सेवा समिति भदौरिया चौक में होगा रात्रि कालीन भंडारा, विसर्जन झांकी की रात होगा भंडारे का भव्य आयोजन

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर के भदौरिया चौक में स्थापित गणपति व केदारनाथ की स्थल झांकी देखकर दर्शक मन्त्रमुग्ध हो है इसके अलावा वहां बनाये गए जुरासिक पार्क और डाइनोसॉर भी दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। बच्चे भी झूले,मिकी माउस, जंपिंग झूला, जुरासिक पार्क दर्शकों के हुजूम को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। इसी क्रम में श्री सेवा समिति के तत्वाधान में पंडाल में समिति द्वारा गणेश विसर्जन के अवसर पर झांकी की रात 17 सितंबर को पूरी रात्रि भंडारा का आयोजन किया है। समिति के अध्यक्ष वीरेंद्र चौहान ने बताया की मंगलवार को हवन पूजन एवं रात्रि कालीन भंडारा का आयोजन किया जाएगा और दर्शकगण पूरी रात गणपति के दर्शन कर भंडारे का आनंद भी ले सकेंगे।

अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र हिरमी लगातार कर रहा अवैध खनन

- राजस्व मंत्री के जिले में राजस्व चोरी बेलगाम

लकेश्वर बघेल

बलौदाबाजार (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश अपने खनिज संसाधन के लिये देश भर में जाना जाता है। प्रदेश में कई सारी सीमेंट संयंत्र स्थापित है, सभी संयंत्र अपने आप को सबसे ज्यादा विश्वसनीय नहीं बताती है। जबकि स्थापित संयंत्र के प्रभाव में आने वाला एक बड़ा जनसमूह इससे प्रभावित होता है, तो वहीं कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत प्रभावित गांवों में बुनियादी सुख सुविधा या व्यवस्था का दवा संयंत्र करते हैं।

अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र के ऊपर लगे गंभीर आरोप : अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र अपने आप को देश का नंबर वन सीमेंट उत्पादक संयंत्र का दावा करती हैं, लेकिन इस दावों के पीछे लगातार प्रभावित ग्रामवासी आरोप लगाते हैं,जिसमें चार पंचायत ने आरोप लगाते हुए कलेक्टर से कार्यवाही की मांग किए हैं - अल्ट्राटेक सीमेंट संयंत्र के द्वारा बिना अनुमति निर्माण खनन कर रहा है (अवैध खनन), भूजल स्तर मैं गिरावट हुआ है, संयंत्र में स्थानीय बेरोजगारों को प्राथमिकता नहीं है, बेलगाम प्रदूषण के कारण लोगों को स्वास्थ्य समस्या हो रही है। कंपनी में लगातार भारी वाहन के आवागमन से रास्ते गड्ढे में तब्दील हो गई हैं व नवनिर्माण फ्लावर ब्रिज भी दुर्घटना को बुलावा दे रही है ।

पिछले 10 वर्षों से कच्चा माल परिवहन पर रॉयल्टी का पैसा नहीं दिया गया है। वही ग्राम पंचायत हिरमी ने शासन को अवगत कराते हुए कहां है कि - शासन तथा प्रशासन के सामने अपने कार्यों की वाहवाही लूटने वाले ग्राम हिरमी में स्थापित संयंत्र अल्ट्राटेक सीमेंट द्वारा विगत कई सालो से शासन के नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही है और सरकार इससे बेखबर है जहा एक और उक्त संयंत्र अपने आपको देश का नंबर वन सीमेंट उत्पादक मानने में लगा है वही दूसरी वो अपने ही प्रभावी ग्राम के साथ सौतेला व्यवहार करते हुए सारे नियमों को ताक में रख कर बिना ग्राम पंचायत के अनापत्ति प्रमाणपत्र निर्माण तथा खनन कार्य में जुटी हुई है, वर्ष 2021 में संयंत्र द्वारा दूसरी यूनिट के लिए मात्र जनसुनवाई के लिए स्वीकृति मांगा गया था किंतु निर्माण तथा खनन का पंचायत द्वारा और ना ही किसी प्रकार की ग्राम सभा द्वारा अनापत्ति प्रमाणपत्र प्रदान किया गया है बावजूद संयंत्र ग्राम पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत अपने जमीन में वृहद रूप से खनन तथा निर्माण कार्य जोरों से करना आरंभ कर दिया है जो की पंचायत अधिनियम का उल्लघंन है, वही कच्चे सामग्रियों के परिवहन का रॉयल्टी का पैसा जो ग्राम पंचायत को दिया जाता है पिछले दस वर्षों से नहीं दिया गया है।

रास्ते खुलवाने के नाम पर की गई मारपीट : राम संघ के युवक ब्रिज के नीचे वाला रास्ता को खोलने की मांग किए जाने पर संयंत्र के सुरक्षाकर्मियों के द्वारा दुर्व्यवहार गली वालों जब मारपीट किया गया इसके पश्चात जनप्रतिनिधि तिमिर उपाध्याय के सामने संयंत्र के अधिकारी रंजीत नैनवाल भागवत त्रिपाठी एवं विधि सोनवानी में अपनी गलती स्वीकार कर आरोपी से माफी मंगवाने की बात कही है ।

ओवर ब्रिज व टेक्नीशियन कॉलोनी के नाम पर काटे सैकड़ों पेड़ : तिमिर उपाध्याय ने बताया कि विरोध के बावजूद ओवर ब्रिज व कॉलोनी निर्माण की आड़ में हजारों पेड़ काटे गए जिसका मैंने पर्यावरण विभाग से या पंचायत से सहमति दिखाने के लिए कहा तो प्रबंधन पास कोई जवाब न था जिसका शिकायत मैंने पर्यावरण विभाग में क्या है जिसका निराकरण क्या हुआ वह आज तक मुझे पता नहीं है ।

संयंत्र से निकलने वाले डस्ट से बंजर होने वाली कृषि भूमि की मिट्टी की उर्वरकता बढ़ाने की दिशा में उनके द्वारा आज तक कोई योजना नहीं बनाई गई। संयंत्र द्वारा पिछले वर्ष बनाए गए ओवर ब्रिज में अभी से दरार पड़ने लगी हैं। जिसके कारण आम आदमी खौफ के साथ इस पुल से यातायात करने को मजबूर है। क्योंकि नीचे जो मार्ग आवागमन का था उसे पूर्ण रूप से बंद कर अपने अधिकार में ले लिया है। हालांकि इसमें संयंत्र क्या कहते हैं,वहीं प्रशासन शिकायत को कितनी गंभीरता से लेती हैं यह देखने का विषय होगा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26